■ पौष शुक्ल - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 159 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 10/- बेंगलूरु » गुरुवार » 02-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास 1.64 करोड़ की चल और अचल संपत्ति

6 नव वर्ष पर विकसित भारत बनाने का लें संकल्प

7 तृप्ति डिमरी को नए साल में साफ आसमान की चाह

फर्स्ट टेक

एयर इंडिया ने चुनिंदा विमानों में वाई-फाई सेवा शुरू की

मुंबई/एजेन्सी। एयर इंडिया ने बुधवार को एयरबस ए350 और बोइंग 787-9 विमानों के बेड़ों के साथ चुनिंदा एयरबस ए321 नियो विमानों में भी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के दौरान वाई-फाई इंटरनेट सेवाएं देनी शुरू कर दीं। एयर इंडिया ने बयान में कहा कि अब वह भारत के भीतर उड़ानों में वाई-फाई कनेक्टिविटी की पेशकश करने वाली पहली एयरलाइन बन गई है। यह सुविधा आईओएस या एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम वाले लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन उपकरणों पर उपलब्ध होगी। हालांकि, विमान के 10 हजार फुट से ऊंचाई पर जाने के बाद ही यात्री वाई-फाई सेवा का इस्तेमाल कर सकेंगे। एयर इंडिया ने कहा कि घरेलू उड़ानों में वाई-फाई सुविधा एक अवधि के लिए ही निःशुल्क है।

अमेरिका ने यमन में हुती ठिकानों पर किया हमला

वाशिंगटन/एजेन्सी। अमेरिकी सेना ने यमन में हमलों के दौरान हूती के प्रमुख ठिकानों को निशाना बनाया। सेंट्रल कमान ने मंगलवार को को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, हम केन्द्रीय कमान (एसईएनटीसीओएम) बलों ने 30 और 31 दिसंबर को सना में ईरान समर्थित हूती ठिकानों और यमन में हूती -नियंत्रित क्षेत्र के तटीय स्थानों पर कई सटीक हमले किए। बयान के अनुसार, अमेरिकी नौसेना के जहाजों और विमानों ने हूती कमांड और नियंत्रण सुविधा और उन्नत पारंपरिक हथियार (एसीडब्ल्यू) उत्पादन और भंडारण सुविधाओं को निशाना बनाया, जिसमें मिसाइलें और मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) शामिल थे। इसमें कहा गया है, इन सुविधाओं का इस्तेमाल हूती अभियानों में किया गया था, जैसे दक्षिणी लाल सागर और अदन की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों और व्यापारिक जहाजों के खिलाफ हमले।

फिलीपींस में क्रिसमस, नए साल के जश्न में 340 घायल

मनीला/एजेन्सी। फिलीपींस के स्वास्थ्य विभाग (डीओएच) ने बुधवार को क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान देश भर में पटाखों से संबंधित 340 चोटों की रिपोर्ट की पुष्टि की है। डीओएच ने कहा कि 22 दिसंबर, 2024 से एक जनवरी, 2025 तक दर्ज की गई चोटों की कुल संख्या पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 34 प्रतिशत कम थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, लगभग 60 प्रतिशत चोटें प्रतिबंधित शक्तिशाली पटाखों के कारण हुईं। डीओएच ने कहा कि पीड़ितों में से 239 की उम्र 19 साल और उससे कम थी।

02-01-2025 सूर्यास्त 6:05 बजे | 03-01-2025 सूर्योदय 6:42 बजे

BSE	NSE
78,507.41	23,742.90
(+368.40)	(+98.10)

सोना	चांदी
8,014 रु.	91,295 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हार दिक

हो गए बीमार नेता,
रोग इनका मानसिक,
हार पर होने लगे दिक,
जीत पर खुश हार्दिक।
सिर्फ अपनी जाति हित,
करते रहे वे नित्य ट्रिक।
भाड़ में जाए व्यवस्था,
वोट बस आए तनिक।।

नए साल में सरकार का पहला फैसला किसानों को समर्पित : प्रधानमंत्री मोदी

सरकार ने दो फसल बीमा योजनाओं को 2025-26 तक बढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 'फसल बीमा योजना' के लिए आवंटन बढ़ाने सहित केंद्रीय मंत्रिमंडल के कुछ अन्य फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि नए साल में सरकार का पहला फैसला किसानों को समर्पित है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक के बाद एक पोस्ट में यह भी कहा कि उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार किसानों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2021-22 से लेकर वर्ष

2025-26 तक कुल 69,515.71 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी। इस निर्णय से 2025-26 तक देश भर के किसानों को नहीं रोके जा सकने योग्य प्राकृतिक आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में मदद मिलेगी।

इस फैसले का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नए वर्ष का पहला निर्णय हमारे देश के करोड़ों किसान भाई-बहनों को समर्पित है। हमने फसल बीमा के लिए आवंटन बढ़ाने को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं की फसलों को और ज्यादा सुरक्षा मिलेगी, वहीं नुकसान की चिंता भी कम होगी।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार किसानों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमें अपने सभी किसान बहनों और भाइयों पर गर्व है जो हमारे राष्ट्र का पेट भरने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। 2025 का पहला, मंत्रिमंडल का फैसला हमारे किसानों की समृद्धि बढ़ाने के लिए समर्पित है। मुझे खुशी है कि इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

डीएपी उर्वरक के लिए एकबारगी विशेष पैकेज को 3,850 करोड़ तक बढ़ाया

डीएपी उर्वरक 1,350 रुपए प्रति बोरी के भाव पर किसानों को मिलेगा

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने डीएपी उर्वरक को 1,350 रुपए प्रति बोरी के भाव पर किसानों तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त सब्सिडी को 31 दिसंबर, 2024 से आगे बढ़ाने का बुधवार को फैसला किया। इससे सरकारी खजाने पर 3,850 करोड़ रुपए तक का बोझ पड़ेगा। पिछले साल केंद्र सरकार ने एक अप्रैल से 31 दिसंबर, 2024 तक के लिए 3,500 रुपए प्रति टन के हिसाब से डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) पर 2,625 करोड़ रुपए का एकबारगी विशेष पैकेज देने की घोषणा की थी। यह पैकेज गैर-यूरिया पोषक तत्वों पर सरकार की तरफ से तय पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी (एनबीएस) के अतिरिक्त था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस विशेष पैकेज को एक जनवरी, 2025 से अगले आदेश तक की अवधि के लिए बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसमें डीएपी पर 3,500 रुपए प्रति टन की दर से सब्सिडी देने का प्रावधान है।

महाराष्ट्र में खत्म होने के करीब है नक्सलवाद : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गढ़चिरौली (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या में वृद्धि और नए लोगों के नक्सली संगठनों में शामिल नहीं होने के चलते राज्य जल्द ही नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा।

फडणवीस ने गढ़चिरौली में संवाददाताओं से कहा कि गढ़चिरौली जिले के दूरदराज इलाकों में नक्सलियों का प्रभाव कम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा, नक्सलवाद अब समाप्ति के करीब है। उन्होंने कहा कि सरकार ने माओवादियों के प्रभाव को खत्म करके गढ़चिरौली को ''पहला जिला'' बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गढ़चिरौली को अक्सर महाराष्ट्र का अंतिम जिला कहा जाता है क्योंकि यह राज्य की पूर्वी सीमा पर स्थित है।

फडणवीस ने विदर्भ क्षेत्र में स्थित जिले में 32 किलोमीटर लंबे गट्टा-गरदेवाडा-वांगेतुरी मार्ग और वांगेतुरी-गरदेवाडा-गट्टा-अहेरी मार्ग पर महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस सेवाओं का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़चिरौली सरकार के लिए (प्राथमिकता सूची में) अंतिम नहीं, बल्कि ''पहला जिला'' है। उन्होंने कहा कि आज जिस सड़क संपर्क का उद्घाटन किया गया है, वह महाराष्ट्र को सीधे छत्तीसगढ़ से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, क्षेत्र नक्सलियों के प्रभाव से मुक्त हो रहा है और लोगों को आजादी के 75 साल बाद एमएसआरटीसी बस सेवाएं मिल रही हैं। फडणवीस ने नक्सलवाद के खिलाफ गढ़चिरौली पुलिस के काम की सराहना की और कहा कि लोग अब नक्सलियों का समर्थन नहीं करते और ना ही कोई व्यक्ति प्रतिबंधित नक्सली संगठन में शामिल होना चाहता है।

मोदी सरकार के कारण आया पूर्वोत्तर में बड़ा बदलाव : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। पत्तन, पोतपरिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व विकास हो रहा है और इस वजह से यह क्षेत्र परिवर्तन के दौर से गुज़र रहा है।

सोनोवाल ने अपने संसदीय क्षेत्र असम के डिब्रूगढ़ में बुधवार को कहा कि विकास के बारे में कहा कि अभूतपूर्व विकास के कारण क्षेत्र में बड़ा बदलाव आ रहा है और परिवर्तनकरी विकास क्षेत्र में हो रहा है। उन्होंने कहा, शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र न केवल जीवन रेखा के रूप में बहती है

बल्कि लोगों की असीम ऊर्जा के प्रतीक के रूप में भी बहती है, जो उभरते हुए नए भारत के नए आत्मविश्वास का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में हासिल उपलब्धियों में उन्होंने खासकर समुद्री क्षेत्र के विकास का जिक्र किया और कहा कि वर्ष 2024 भारत की समुद्री महत्वाकांक्षाओं के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। देश के 13वें और सबसे बड़े प्रमुख बंदरगाह की नींव रखने से लेकर नए वैश्विक व्यापार मार्ग खोलने तक मोदी सरकार ने भारत को दुनिया के शीर्ष 10 समुद्री देशों में स्थापित करने के लिए अहम कदम उठाए हैं।

जैश-ए-मोहम्मद के चार सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके से आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के चार सहयोगियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर त्राल इलाके में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के चार सहयोगियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मुदासिर अहमद नाइक, उमर नजीर शेख, इनायत फिरदौस और सलमान नजीर लोन के रूप में हुई है। प्रवक्ता ने बताया कि उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग त्राल और अवंतीपोरा इलाकों में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों को रसद और अन्य सहायता मुहैया कराते थे।

नौसेना के बेड़े में शामिल होंगे नीलगिरि, सूरत और वाग्शीर युद्धपोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। देश के इतिहास में 15 जनवरी एक ऐतिहासिक दिन बनने जा रहा है और इस दिन अग्रिम पंक्ति के तीन युद्धपोत नीलगिरि, सूरत और वाग्शीर नौसेना के बेड़े में शामिल होंगे।

नौसेना के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि इससे नौसेना की लड़ाकू क्षमता बढेगी साथ ही स्वदेशी पोत निर्माण में देश की स्थिति मजबूत होगी। तीनों प्लेटफॉर्म को पूरी तरह से मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई में डिजाइन और निर्मित किया गया है, जो रक्षा उत्पादन के महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रमाण है। इन उन्नत युद्धपोतों और पनडुब्बियों का सफल कमीशन युद्धपोत डिजाइन और निर्माण में की गई तीव्र प्रगति को दर्शाता है, जो रक्षा निर्माण में वैश्विक गुरू के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करता है।

नीलगिरि प्रोजेक्ट 17 ए का प्रमुख युद्धपोत, शिवालिक-क्लास फ्रिगेट्स की तुलना में एक बड़ी उन्नति है, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से महत्वपूर्ण स्टेल्थ फीचर्स और रडार सिग्नेचर शामिल हैं। सूरत प्रोजेक्ट 15 बी विध्वंसक, कोलकाता-क्लास (प्रोजेक्ट 15 ए) विध्वंसकों के अनुवर्ती वर्ग की परिणति है, जिसमें डिजाइन और क्षमताओं में पर्याप्त सुधार हैं। दोनों पोत को नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया था और वे मुख्य रूप से भारत में या अग्रणी वैश्विक निर्माताओं के साथ रणनीतिक सहयोग के माध्यम से विकसित उन्नत सेंसर और हथियार पैकेज से लैस हैं।

चीन में प्रस्तावित बांध असम में ब्रह्मपुत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/एजेन्सी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि तिब्बत में ब्रह्मपुत्र पर चीन द्वारा प्रस्तावित विश्व के सबसे बड़े बांध के निर्माण से असम में नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचेगा।

शर्मा ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि केंद्र ने नदी के निचले इलाकों में बांध से उत्पन्न खतरों के बारे में चीन

को सूचित कर दिया है। उन्होंने कहा, बांध हमारे लिए बड़ी समस्या बन जाएगा क्योंकि नदी का तल सूख जाएगा और पूरी नदी प्रणाली कमजोर हो जाएगी। हम पहले ही केंद्र के समक्ष यह मामला उठा चुके हैं। शर्मा ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने भी इस मामले पर केंद्र को पत्र लिखा है।

चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर विश्व के सबसे बड़े बांध के निर्माण को पिछले हफ्ते मंजूरी दे दी, जिससे भारत और बांग्लादेश में चिंताएं बढ़ गईं। यह जलविद्युत परियोजना यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम) के निचले क्षेत्र में बनाई जाएगी। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय ने 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बुधवार को 2025 को रक्षा सुधारों का वर्ष घोषित किया और कहा कि इसका उद्देश्य सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए एकीकृत सैन्य कमान शुरू करना तथा सेना को तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार बल में बदलना है। रक्षा मंत्रालय ने जिन सुधारों की योजना बनाई है उनका व्यापक उद्देश्य रक्षा अधिग्रहण प्रक्रियाओं को सरल और समयबद्ध बनाना, प्रमुख हितधारकों के बीच गहन सहयोग सुनिश्चित करना, बाधाओं को दूर करना, अक्षमताओं को समाप्त करना और संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना है।

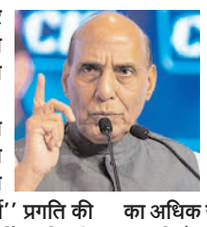

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ये सुधार देश की रक्षा तैयारियों में ''अभूतपूर्व'' प्रगति की नींव रखेंगे और 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच भारत की सुरक्षा एवं संप्रभुता सुनिश्चित करेंगे। सैन्य कमान को लेकर रक्षा मंत्रालय की यह योजना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे 2025 में सुधार उपायों को लागू करने की योजना का संकेत मिलता है। एकीकृत सैन्य कमान मॉडल के तहत सरकार सेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं को एकीकृत करना चाहती है तथा युद्ध एवं अभियानों के दौरान उनके संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहती है।

एकीकृत सैन्य कमान योजना के अनुसार, प्रत्येक सैन्य कमान में सेना, नौसेना और वायु सेना की इकाइयां होंगी और ये सभी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए एक इकाई के रूप में काम करेंगी। वर्तमान में सेना, नौसेना और वायु सेना के अलग अलग कमान हैं। सिंह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में वर्ष 2025 को सुधार वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया।

मंत्रालय ने कहा कि 2025 में साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग', हाइपरसोनिक' और रोबोटिक्स' जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अमेरिका में नए साल की पूर्व संध्या पर जश्न मना रहे लोगों को कार से कुचला, 10 की मौत, 30 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ह्यूस्टन/एजेन्सी। अमेरिका के दक्षिणी राज्य लुइसियाना के न्यू ऑरलियन्स में नए साल की पूर्व संध्या पर जश्न मना रहे लोगों को एक वाहन के कुचलने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

शहर के आपातकालीन तैयारी अभियान नोला रेडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कैनाल और

बॉर्बन स्ट्रीट पर बड़े पैमाने पर दुर्घटना की घटना हुई है। इलाके से दूर रहें। न्यू ऑरलियन्स पुलिस ने कहा कि वे इस घटना पर प्रतिक्रिया कर रहे हैं, जो लोकप्रिय फ्रेंच क्वार्टर में हुई थी।

इससे पूर्व सीएनएन ने बताया था कि अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स के फ्रेंच क्वार्टर में कैनाल और बॉर्बन स्ट्रीट पर एक ट्रक ने बड़ी भीड़ को कुचल दिया। सीएनएन के मुताबिक न्यू ऑर्लीन्स के बॉर्बन स्ट्रीट पर एक वाहन के भीड़ में घुस जाने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हो गए।

न्यू ओर्लियंस में हुई घटना का संदिग्ध मारा गया

न्यू ओर्लियंस/एपी। अमेरिका के न्यू ओर्लियंस में लोगों को कार से कुचलने और गोलीबारी करने का संदिग्ध पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया।

कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को यह जानकारी दी।

कुछ अधिकारियों ने नाम उजागर न करने की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वे जांच का विवरण देने के लिए अधिकृत नहीं हैं।

मार्शल आर्ट

बुधवार को सबरीमाला में भगवान अयप्पा मंदिर में तिरुवनंतपुरम से संबंधित 'माधव मैडम सीवीएन कलारी संघम' द्वारा भारत में मार्शल आर्ट का सबसे पुराना रूप 'कलारीपयट्टू' प्रदर्शित किया गया।

भारतीय यात्री वाहन बाजार में 2024 में रिकॉर्ड 43 लाख गाड़ियों की बिक्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय यात्री वाहन बाजार ने वर्ष 2024 में 43 लाख इकाइयों की रिकॉर्ड थोक बिक्री दर्ज की है। इसमें मारुति सुजुकी इंडिया, हुंदै, टाटा मोटर्स, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और किआ जैसी प्रमुख कंपनियों ने अपनी अबतक की सबसे ऊंची सालाना बिक्री दर्ज की।

एसयूवी की निरंतर वृद्धि, साथ ही ग्रामीण बाजारों ने कार बिक्री बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे उद्योग वर्ष 2023 में अर्जित लगभग 41.1 लाख इकाई की बिक्री के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर करने में सफल रहा। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआई) के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन और बिक्री) पार्थो बनर्जी ने वर्ष 2024 में समग्र यात्री वाहन थोक बिक्री के बारे में पूछे जाने पर पीटीआई-भाषा को बताया, पिछले कैलेंडर वर्ष में यह 41,09,000 लाख इकाइयों के करीब था, जबकि कैलेंडर वर्ष 2024 में यह लगभग 43 लाख इकाई का है। इसलिए, यह लगभग 4.5 प्रतिशत से 4.7 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी ने खुद वर्ष 2024 में अपनी अबतक की सबसे अधिक थोक और खुदरा बिक्री दर्ज की है। बनर्जी ने कहा, हमने छह साल बाद वर्ष 2024 में 17,90,977 इकाइयों के साथ अबतक की सबसे अधिक वार्षिक थोक बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जो वर्ष 2018 में दर्ज 17,51,919 इकाइयों के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर बनाता है। उन्होंने कहा कि खुदरा क्षेत्र में भी कंपनी ने वर्ष 2024 में 17,88,405 इकाइयों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की, जिसने वर्ष 2023 में बेची गई 17,26,661 इकाइयों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

बनर्जी ने कहा, वास्तव में हमारी ग्रामीण बिक्री ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। दिसंबर के महीने में, ग्रामीण (बिक्री) में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है... साथ ही तीसरी तिमाही में, अच्छे मानसून और अच्छे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की बदौलत ग्रामीण विकास काफी अच्छा रहा है। इनसे ग्रामीण बाजार में विकास के मामले में वास्तव में मदद मिली है। दिसंबर 2024 में, मारुति की कुल घरेलू यात्री वाहन बिक्री 1,30,117 इकाई रही, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1,04,778 इकाई थी, जो 24.18 प्रतिशत अधिक की वृद्धि है।

मारुति की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने भी वर्ष 2024 में 6,05,433 इकाइयों की अपनी अब तक की सबसे अधिक वार्षिक घरेलू बिक्री दर्ज की, जो वर्ष 2023 के 6,02,111 इकाइयों से मामूली रूप से अधिक है।

2023-24 में विद्यालय में दाखिले में 37 लाख की कमी: शिक्षा मंत्रालय का आंकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूरे देश के विद्यालयों में 2023-24 में दाखिला पिछले वर्ष की तुलना में 37 लाख कम हुआ है। यह जानकारी शिक्षा मंत्रालय के यूडीआईएसई डेटा से मिली है।

शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) प्लस एक डेटा एकत्रीकरण मंच है। शिक्षा मंत्रालय देश भर से स्कूली शिक्षा के आंकड़ों को एकत्र करने के लिए इसका प्रबंधन करता है। वर्ष 2022-23 में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या 25.17 करोड़ थी, जबकि 2023-24 के लिए यह संख्या 24.80 करोड़ है। समीक्षाधीन अवधि में छात्राओं की संख्या में 16 लाख की कमी आई, जबकि छात्रों की संख्या में 21 लाख की कमी आई।

दाखिला लेने वालों में अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व लगभग 20 प्रतिशत रहा। अल्पसंख्यकों में 79.6 प्रतिशत मुस्लिम, 10 प्रतिशत ईसाई, 6.9 प्रतिशत सिख, 2.2 प्रतिशत बौद्ध, 1.3 प्रतिशत जैन और 0.1 प्रतिशत पारसी थे।

राष्ट्रीय स्तर पर, यूडीआईएसई प्लस में पंजीकृत 26.9 प्रतिशत छात्र सामान्य श्रेणी से, 18 प्रतिशत अनुसूचित जाति से, 9.9 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति से और 45.2 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से थे। यूडीआईएसई प्लस ने विशिष्टता स्थापित करने के लिए 2023-24 से स्वैच्छिक आधार पर छात्र-छात्राओं के आधार नंबर के साथ-साथ उनके डेटा को एकत्रित करने का प्रयास किया। 2023-24 तक कुल मिलाकर, 19.7 करोड़ से अधिक छात्रों ने आधार नंबर उपलब्ध कराये। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि डेटा में पिछले वर्षों की तुलना में कुछ वास्तविक बदलाव देखे गए हैं, क्योंकि अलग-अलग छात्र आधार बनाए रखने की यह कवायद 2021-22 या उससे पहले के वर्षों से पूरी तरह अलग, अनोखी और अतुलनीय है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, व्यक्तिगत छात्र-वार डेटा शिक्षा प्रणाली की एक यथार्थवादी और अधिक सटीक तस्वीर को दर्शाता है, जिसका प्रयास राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार किया जा रहा है, जो 2021-22 तक एकत्र किए गए स्कूल-वार समेकित डेटा से अलग है।

दो हजार रुपए के 6,691 करोड़ रुपए मूल्य के नोट अभी भी लोगों के पास: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि 2,000 रुपए के 98.12 प्रतिशत नोट अबतक बैंकिंग प्रणाली में वापस आ चुके हैं जबकि 6,691 करोड़ रुपए मूल्य के ऐसे नोट अब भी लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपए मूल्य के बैंक नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। उसके बाद से ही इन नोटों को वापस लेने की प्रक्रिया चल रही है। आरबीआई ने बयान में कहा कि चलन में मौजूद 2,000 रुपए के बैंक नोटों का कुल मूल्य 31 दिसंबर, 2024 को कारोबार की समाप्ति पर 6,691 करोड़ रुपए रह गया। यह मूल्य 19 मई, 2023 को आरबीआई के फैसले के दिन 3.56 लाख करोड़ रुपए था।

रिजर्व बैंक ने कहा, इस तरह 19 मई, 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपए के कुल 98.12 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं। इन नोटों को जमा करने या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। हालांकि, अब भी रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में यह सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा आम लोग देश के किसी भी डाकघर से डाक के जरिये 2,000 रुपए के नोट आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय को अपने बैंक खातों में जमा करने के लिए भेज सकते हैं।

क्या आप कुवैती नेताओं को संभल मस्जिद के पास पुलिस चौकी दिखा सकते हैं: ओवैसी का प्रधानमंत्री से सवाल

हैदराबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संभल में मस्जिद के पास कथित वक्फ भूमि पर पर बनाई जा रही पुलिस चौकी कुवैत के उन नेताओं को दिखा सकते हैं जिनसे उन्होंने हाल में मुलाकात की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि संभल में जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी का निर्माण वक्फ भूमि पर किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने वक्फ भूमि पर चौकी बनाए जाने के आरोप से इनकार किया है।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) के नेता ओवैसी ने कहा, (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी कुवैत गए थे। वह कुवैत के शेखों को गले लगा रहे थे। आप शेखों को बुलाएं और दिखाएं कि आपकी सरकार यहां (संभल में) क्या कर रही है। जिलाधिकारी की इस टिप्पणी पर कि कोई प्रामाणिक और कानूनी पक्ष प्रासंगिक दस्तावेजों (यह दिखाने के लिए कि जमीन वक्फ की है) के साथ आगे नहीं आया है, ओवैसी ने आरोप लगाया कि अधिकारी उप्र में योगी आदित्यनाथ सरकार के निर्देशों के अनुसार काम कर रहे हैं।

कांग्रेस तीन जनवरी से शुरू करेगी 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस आगामी तीन जनवरी को सभी ब्लॉक, जिलों और राज्यों के स्तर पर अपना पूर्वनिर्धारित ''जय बापू, जय भीम, जय संविधान'' अभियान शुरू करेगी। इस अभियान का समापन 26 जनवरी को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली महू (मध्य प्रदेश) में एक जनसभा के साथ होगा।

पहले यह अभियान 27 दिसंबर को शुरू किया जाना था, लेकिन 26 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन और उनके सम्मान में सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा के मद्देनजर इसे निलंबित कर दिया गया था। अभियान के बारे में निर्णय 26 दिसंबर को कर्नाटक के बेलगावी में आयोजित कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में लिया गया था।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सिंह के प्रति सम्मान में पार्टी के सभी कार्यक्रमों को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने कहा, इस सच को स्वीकारने में अभी और समय लगेगा कि वह अब हमारे साथ नहीं हैं। रमेश ने कहा ''फिर भी, जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान 3 जनवरी, 2025 को ब्लॉक, जिलों और राज्यों में फिर से शुरू होगा, जिसके बाद 26 जनवरी, 2025 को डॉ. अंबेडकर की जन्मभूमि महू में रैली होगी। यह अवसर भारतीय संविधान के लागू होने की 75वीं वर्षगांठ भी है।

कांग्रेस कार्य समिति के प्रस्ताव में कहा गया था कि इस अभियान के तहत ब्लॉक, जिला तथा प्रदेश स्तर पर संगोष्ठियों एवं जनसभाओं का आयोजन होगा। प्रस्ताव में कहा गया था कि 26 जनवरी, 2025 और 26 जनवरी, 2026 के दौरान, एक साल में कांग्रेस 'संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा' नाम से एक व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू करेगी, जिसमें सभी नेता भाग लेंगे। यह अभियान 13 महीनों का होगा।

गौरव गोगोई ने भारतीय डाक की बुक पोस्ट सेवा को बहाल करने का आग्रह किया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने 'भारतीय डाक' की बुक पोस्ट सेवा को वापस लेने के सरकार के फैसले को निरस्त करने की मांग करते हुए कहा है कि इस तरह के निर्णय से साहित्यिक समुदाय को कठिनाई होगी तथा लाखों भारतीय नागरिकों तक उन पुस्तकों के पहुंचने में व्यवधान होगा जो उनकी शिक्षा, व्यक्तिगत विकास और दुनिया से जुड़ाव में योगदान देती हैं।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को लिखे पत्र में गोगोई ने बुक पोस्ट सेवा को बंद करने के फैसले पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि यह पूरे भारत के छोटे शहरों और गांवों में पाठकों को प्रभावित करेगा क्योंकि यह सेवा किताबें मंगवाने के लिए सुलभ और किफायती लागत वाली है। उनका कहना है, 18 दिसंबर को भारतीय डाक ने स्पीड पोस्ट और रजिस्टर्ड पोस्ट जैसे विकल्पों के मद्देनजर इस सेवा को वापस लेने का फैसला किया, जबकि इन सेवाओं की लागत लगभग 50% अधिक है।

केजरीवाल ने भागवत को पत्र लिख भाजपा की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) नेता अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर भाजपा पर दिल्ली में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने और पैसे बांटने का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केजरीवाल पर पलटवार करते हुए कहा कि भागवत को लिखा गया उनका पत्र उनकी राजनीतिक हताशा और अगले महीने होने वाले चुनावों में हार के डर को दर्शाता है। दिल्ली में सत्तारूढ़ 'आप' और विपक्षी भाजपा के बीच वाकयुद्ध तेज हो गया है और दोनों पक्षों के प्रमुख नेताओं के बीच विभिन्न मुद्दों पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

केजरीवाल ने भागवत से उन खबरों पर स्पष्टीकरण मांगा है जिनमें कहा गया है कि आरएसएस दिल्ली चुनाव में भाजपा के लिए प्रचार करेगा। उन्होंने भागवत को लिखे पत्र में कहा है, मीडिया में ऐसी खबरें आई हैं कि आरएसएस दिल्ली चुनाव में भाजपा के लिए प्रचार करेगा। क्या यह सच है? इससे पहले, लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या आरएसएस भाजपा द्वारा हाल ही में उठाए गए गलत कदमों का समर्थन करता है?

'आप' संयोजक ने 30 दिसंबर को लिखे अपने पत्र में कई सवाल उठाए और पूछा कि क्या आरएसएस भाजपा नेताओं द्वारा वोट 'खरीदने' के लिए खुलेआम पैसे बांटे जाने और भाजपा द्वारा पूर्वांचली और दलित मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से 'बड़े पैमाने पर हटाए' जाने का समर्थन करता है। हाल के महीनों में केजरीवाल द्वारा भागवत को लिखा गया यह दूसरा पत्र है। सितंबर में आरएसएस प्रमुख को लिखे गए पिछले पत्र में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधते हुए पार्टी की राजनीति पर सवाल उठाए थे। भाजपा ने 'आप' और केजरीवाल पर अवैध रोहिंग्या मुसलमानों और बांग्लादेशियों को दस्तावेज और पैसे देकर दिल्ली में रहने में मदद करने का आरोप लगाया है, ताकि चुनावों में उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

चीन से अनुचित इस्पात आयात पर कदम उठाए सरकार: टाटा स्टील सीईओ

जमशेदपुर/भाषा। टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन ने बुधवार को कहा कि चीन के आक्रामक मूल्य निर्धारण से वैश्विक इस्पात क्षेत्र लाभ कमाने के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि भारत में इस धातु की मांग और खपत बढ़ रही है। नरेंद्रन ने यहां नववर्ष पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले दो साल इस्पात उद्योग के लिए वैश्विक स्तर पर मुश्किलों भरे रहे हैं। उन्होंने कहा कि खासकर कोविड के दौरान चीन में लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से इस्पात मार्जिन कम होने के साथ लाभ कमाने के लिए भी लगातार संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने दुनिया के कई हिस्सों में छिड़े संघर्षों पर कहा कि इन घटनाओं का भारत पर भी प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ता है। उन्होंने चीन की अनुचित प्रतिस्पर्धा पर चिंता व्यक्त की और केंद्र सरकार से घरेलू उद्योगों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

जीएसटी संग्रह दिसंबर में 7.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली/भाषा। देश में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह दिसंबर महीने में 7.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपए रहा है। घरेलू और निर्यात मदों में कर वापसी के बावजूद जीएसटी संग्रह बढ़ा है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय जीएसटी संग्रह 32,836 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 40,499 करोड़ रुपए, एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) 47,783 करोड़ रुपए और उपकर 11,471 करोड़ रुपए रहा।

इसके साथ कुल माल एवं सेवा कर राजस्व 7.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एक साल पहले इसी महीने में यह 1.65 लाख करोड़ रुपए था। आलोच्य महीने में घरेलू लेन-देन से जीएसटी 8.4 प्रतिशत बढ़कर 1.32 लाख करोड़ रुपए रहा जबकि आयात पर कर से प्राप्त राजस्व करीब चार प्रतिशत बढ़कर 44,268 करोड़ रुपए रहा। जीएसटी संग्रह नवंबर महीने में सालाना आधार पर 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए रहा था। अबतक का सर्वाधिक जीएसटी संग्रह अप्रैल, 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए रहा था।

वर्ष 2025 : विपक्ष में कांग्रेस का कद घटेगा या बढ़ेगा, दिल्ली और बिहार से होगा तय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के लिए वर्ष 2024 ''कभी खुशी गम, कभी गम' वाला रहा और अब नया साल उसके लिए चुनौती के साथ नई उम्मीदें जगाने वाला भी हो सकता है। चुनौती दिल्ली और बिहार के विधानसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने तथा विपक्ष में अपने कद को मजबूत करने की होगी तो बेलगावी में कार्य समिति की घोषणा के मुताबिक संगठन को मजबूत करके और राष्ट्रव्यापी अभियान चलाकर वह भविष्य में अपने लिए संभावनाओं के नए द्वार खोल सकती है।

वर्ष 2024 उसके लिए बेहतर संभावनाओं की उम्मीद जगाने वाला था लेकिन साल के आखिर में महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों ने पार्टी की उम्मीदों पर फिर से ब्रेक लगा दिया। पिछले दिनों पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने पत्रकारों के साथ ऑफ द रिकॉर्ड बातचीत में 2024 का उल्लेख करते हुए कहा, यह हमारे के लिए कभी खुशी, कभी गम वाला साल था। वर्ष 2025 में कांग्रेस के सामने पहली बड़ी चुनौती दिल्ली विधानसभा चुनाव है जहां वह पिछले दो चुनावों से अपना खाता भी नहीं खोल सकी।

उसने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अब तक कुल 47 उम्मीदवार घोषित किए हैं और इस सूची से उसने यह संकेत देने का प्रयास किया है कि वह पूरी संजीदगी से चुनाव लड़ने और भाजपा तथा आम आदमी पार्टी से इतर तीसरा ध्रुव बनने का प्रयास करेगी। कांग्रेस ने नई दिल्ली सीट से आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को चुनावी मैदान में उतारा है। कांग्रेस की आक्रामकता का नतीजा है कि आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि देश की मुख्य विपक्षी पार्टी दिल्ली में भाजपा की मदद कर रही है। उसने पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय माकन के एक बयान से नाराजगी जताते हुए कांग्रेस को 'इंडिया' गठबंधन से बाहर निकालने की पैरवी भी की थी।

दिल्ली में अगर कांग्रेस कुछ सीटें जीतने में सफल रहती है तो राष्ट्रीय राजधानी में उसमें नई जान आएगी, लेकिन पिछले चुनावों की तरह विफल रहने पर न सिर्फ दिल्ली, बल्कि 'इंडिया' गठबंधन में भी उसकी स्थिति को और धक्का लगेगा। चुनावी नजरिये से इस साल कांग्रेस के लिए दूसरी बड़ी चुनौती बिहार विधानसभा चुनाव है जो अक्टूबर-नवंबर में संभावित है। बिहार में कांग्रेस 'इंडिया' गठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के छोटे भाई की भूमिका में है, लेकिन यदि वहां विपक्षी गठबंधन को सत्ता हासिल करनी है तो इसमें कांग्रेस का चुनावी प्रदर्शन बहुत मायने रखेगा। वर्ष 2020 के चुनाव में विपक्षी गठबंधन बहुमत से कुछ दूर रह गया था तो उसके लिए कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन को जिम्मेदार माना गया था। उस चुनाव में कांग्रेस 70 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन सिर्फ 19 जीत पाई थी।

कांग्रेस के लिए बिहार में गठबंधन में चुनाव लड़ने के लिए सम्मानजनक सीटें हासिल करना पहली चुनौती होगी और फिर पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन करना दूसरी बड़ी चुनौती होगी। इस तरह से बिहार के नतीजे भी यह तय करेंगे कि विपक्षी धड़े में कांग्रेस का कद घटेगा या बढ़ेगा।

महाराष्ट्र: पढ़ाई को लेकर हुए विवाद पर इंजीनियरिंग छात्र ने माता-पिता की हत्या की

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के नागपुर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले एक छात्र ने अपने माता-पिता की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ऐसी आशंका है कि छात्र की शिक्षा और करियर को लेकर माता-पिता से मतभेद होने के कारण उसने यह कदम उठाया। एक अधिकारी ने बताया कि नागपुर के कपिल नगर इलाके में 26 दिसंबर को आरोपी उत्कर्ष ढकोले (25) ने अपने माता-पिता की हत्या की। उन्होंने बताया कि यह दोहरा हत्याकांड बुधवार सुबह उस दौरान सामने आया जब पड़ोसियों ने घर से दुर्गंध आने की शिकायत की।

पुलिस उपायुक्त (जोन वी) निकेतन कदम ने बताया कि उत्कर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसके बाद उसने हत्या की बात स्वीकार की। उन्होंने बताया कि उनके शव बुरी तरह गल गए थे।

अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान लीलाधर ढकोले (55) और उनकी 50 वर्षीय पत्नी अरुणा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया, उत्कर्ष ने कथित तौर पर 26 दिसंबर को दोपहर के समय अपनी मां की गला घोंटकर हत्या कर दी और बाद में शाम 5 बजे घर लौटने पर अपने पिता की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने शवों को वहीं छोड़ दिया।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने 10 बारूदी सुरंग को नष्ट किया

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों द्वारा बिछाई गईं 10 बारूदी सुरंग को नष्ट कर दिया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के अलग-अलग स्थानों से सुरक्षाबलों ने 10 बारूदी सुरंगों को बरामद किया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र में आठ बारूदी सुरंग बरामद कीं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों को आज बासागुड़ा थाना क्षेत्र में गश्त पर रवाना किया गया था। इस दल में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और जिला बल के जवान शामिल थे। उनके मुताबिक, जब वे तिमापुर दुर्गा मंदिर के करीब थे तब उन्हें पगडंडी में बिछाई 8 बारूदी सुरंग की जानकारी मिली। बाद में सुरक्षाबलों ने सभी बारूदी सुरंग को बरामद कर नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह जिले में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के दल ने तर्रेम थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोंडापल्ली और छुटवाई गांव के मध्य बंदलएलका नाला के करीब तीन-तीन किलोग्राम के दो प्रेशर बम बरामद किए।

इस साल तंबाकू निर्यात 13,000 करोड़ रुपए के पार पहुंचने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश का तंबाकू निर्यात में इस साल आठ प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि के साथ 13,000 करोड़ रुपए के पार पहुंचने का अनुमान है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने यह भी कहा कि तंबाकू बोर्ड ने किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद के लिए कई कदम उठाए हैं।

भारत, चीन के बाद दुनिया में तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। यह चीन, ब्राजील और जिम्बाब्वे के बाद दुनिया में फ्लू-क्योर वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक भी है। अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ब्राजील के बाद भारत अनिर्मित तंबाकू (मात्रा के हिसाब से) का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। तंबाकू निर्यात भारतीय खजाने में विदेशी मुद्रा का बड़ा योगदान देता है। इस साल हम 13,000 करोड़ रुपए (का निर्यात स्तर) लांघने जा रहे हैं...तंबाकू किसानों की आय भी पिछले साल में दोगुनी हो गई है।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान तंबाकू निर्यात 12,005.89 करोड़ रुपए (1.5 अरब डॉलर) रहा था। विभाग के तहत तंबाकू बोर्ड ने उद्योग की स्थिरता और विकास सुनिश्चित करने के लिए कई रणनीतिक गतिविधियां की हैं। इनमें घरेलू और निर्यात दोनों मांग को पूरा करने के लिए फसल नियोजन और उत्पादन का विनियमन शामिल है।

बोर्ड आयात करने वाले देशों के मानकों को पूरा करने के लिए अपेक्षित गुणवत्ता के तंबाकू का उत्पादन करने के लिए सहायता प्रदान करके 80,000-85,000 पंजीकृत किसानों का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए बेहतर मूल्य निर्धारण और लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए तंबाकू बोर्ड ने सिगरेट के मुख्य घटक एफसीवी तंबाकू के लिए एक आईटी-सक्षम इलेक्ट्रॉनिक नीलामी प्रणाली लागू की है। आंध्र प्रदेश (16) और कर्नाटक (10) में 26 नीलामी मंच हैं, जो देश के दो प्रमुख तंबाकू उत्पादक राज्य हैं। आंध्र प्रदेश के तंबाकू में कर्नाटक की तुलना में निकोटीन का स्तर अधिक होता है। पिछले साल, भारत ने 30 करोड़ किलोग्राम तंबाकू का उत्पादन किया। सरकार उत्पादन को नियंत्रित करती है और इसका लक्ष्य उत्पादन के स्तर को लगभग 27 करोड़ किलोग्राम पर बनाए रखना है। अतिरिक्त सचिव ने कहा कि भारत उत्पादन में वृद्धि को बढ़ावा नहीं देता है क्योंकि यह इसने विश्व व्यापार संगठन की तंबाकू नियंत्रण संधि (डब्ल्यूएचओ एफसीटीसी) पर हस्ताक्षर किए हैं।

नववर्ष के पहले दिन धार्मिक स्थलों पर जाकर लोगों ने नववर्ष का किया स्वागत

वर्ष 2024 के विदाई के मौके पर कुछ छुटपुट घटनाएं हुई, शिकायत दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्ष 2025 का पहला दिन बुधवार बहुत ही उत्साहपूर्ण रहा। सुबह से ही विभिन्न धार्मिक स्थल मंदिर, गुरुद्वारे, चर्च व संतों के पास लोगों की भारी भीड़ देखी गई। विभिन्न श्रद्धालुओं ने अपने अपने इष्टदेवताओं के पास जाकर नववर्ष के लिए प्रार्थना की। मैसूरु के चामुन्डी मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने माता चामुन्डेश्वरी के दर्शन कर नए वर्ष की शुरुआत की। बेंगलूरु के इस्कॉन मंदिर, बसवनगुड़ी के दोड्डगणपति मंदिर, मल्लेश्वरम् के काडुमल्लेश्वरा देवस्थान बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर आदि में भी सुबह से ही भक्तों का जमावड़ा रहा। शिवाजीनगर स्थित सेंट मेरी बेसिलिका चर्च में भी सुबह से ही लोगों ने नए वर्ष का स्वागत मोमबत्ती जलाकर किया।

वहीं दूसरी ओर मंगलवार देर रात वर्ष 2024 की विदाई में लोगों ने जमकर धूम मचाई। बेंगलूरु मे एमजी रोड, ब्रिगेड़ रोड, चर्च स्ट्रीट, रेसीडेन्सी रोड और आसपास के रास्तों में तथा इंदिरानगर, कोरमंगला आदि जगहों पर युवाओं ने वर्ष 2024 को विदा किया और नए वर्ष का स्वागत किया। कुछ छोटी घटनाओं को छोड़ नववर्ष का आगमन शांति से हुआ। पुलिस से प्राप्त शिकायत के अनुसार बेलन्दूरु सोशियल पब में 28 वर्षीय उड़ीसा मूल की युवती अपने बॉयफ्रेन्ड के साथ पार्टी कर रही थीं तब तीन लोगों ने उससे अभद्र व्यवहार किया। युवती ने पुलिस को शिकायत की और पुलिस ने तुरंत कार्यवाही करते हुए एक को पकड़ लिया गया वहीं दो फरार है। एक अन्य शिकायत में वर्तुर क्लब में तीन-चार लोगों ने एक युवती के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए अपशब्दों का प्रयोग किया जिसकी शिकायत युवती ने पुलिस थाने में की। पुलिस तीन लोगों से पूछताछ कर रही है।

अमितेश कुमार सिन्हा ने दपरे के बेंगलूरु डिवीजन के डीआरएम का पदभार संभाला

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे में 1 जनवरी को अमितेश कुमार सिन्हा ने बेंगलूरु डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम का पदभार संभाला है। वे 1996 परीक्षा बैच के भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) के अधिकारी हैं। वे विश्वेश्वरैया क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज (वीआरसीई), नागपुर से सिविल इंजीनियरिंग विंग के बीई स्नातक हैं। उनका पेशेवर रिकॉर्ड मजबूत है। बेंगलूरु के डिवीजनल रेलवे मैनेजर के रूप में शामिल होने से पहले, सिन्हा रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, वित्त के रूप में काम कर रहे थे, जहाँ वे संसाधन जुटाने और पीपीपी परियोजनाओं को संभाल रहे थे। रेलवे बोर्ड में काम करने के अलावा, उनके पास न केवल डिवीजन, जोनल मुख्यालय और निर्माण कार्यालय में रेलवे में काम करने का समृद्ध अनुभव है, बल्कि उन्होंने भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों में भी विभिन्न पदों पर काम किया है।

मंदिर संस्कृति के संरक्षण के लिए दो दिवसीय सम्मेलन 4 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश में हमारे राजा-महाराजाओं ने मंदिर बनवाएं। कदंब वंश से लेकर, विजयनार के राजमहाराजाओं से लेकर मैसूरु के हाल के महाराजाओं तक के शासकों ने उन्होंने हजारों मंदिर बनवाए और आक्रमणकारियों द्वारा नष्ट किए गए मंदिरों का जीर्णोद्धार किया। आज मंदिरों पर 'धर्मनिरपेक्ष' राज्य व्यवस्था के नियंत्रण में हैं। जिसके कारण सरकारीकरण, भ्रष्टाचार, मंदिरों में अहिंदुओं का प्रवेश, वक्फ बोर्ड द्वारा मंदिर भूमि का अतिक्रमण, पैसे लेके वीआईपी दर्शन, मंदिर भूमि की हड़प, और मंदिरों में बढ़ती हुई चोरियां जैसी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे समय में, मंदिर संस्कृति की रक्षा हिंदू समाज की जिम्मेदारी बन गई है। मंदिरों से संबंधित समस्याओं का समाधान, श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता और मंदिर परंपराओं की रक्षा के लिए सभी ट्रस्टी, पुजारियों और श्रद्धालुओं का सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

इस दिशा में कर्नाटक मंदिर महासंघ और हिंदू जनजागृति समिति द्वारा 'कर्नाटक राज्य द्वितीय मंदिर अधिवेशन 4 और 5 जनवरी 2025 को बेंगलूरु के बसवेश्वरनगर स्थित गंगम्मा थिमैया कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया है। इस अधिवेशन में कर्नाटक राज्य भर के 1,000 से अधिक मंदिर ट्रस्टी, प्रतिनिधि, पुजारी और मंदिरों की रक्षा के लिए काम कर रहे वकील भाग लेंगे। यह जानकारी कर्नाटक मंदिर महासंघ के राज्य संयोजक मोहन गौड़ ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में आर्य वैश्य महासभा के अध्यक्ष आरपी रविशंकर, वकील हर्ष मुथालिका, ऑल कर्नाटक ब्राह्मण पुजारी और पुरोहित परिषद के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र भट्ट, श्रीराम सेवा बोर्ड के अध्यक्ष केएस श्रीधर, मंदिर महासंघ के राष्ट्रीय आयोजक सुनील घनवट एवं हिन्दू जनजागृति समिति के प्रांत संयोजक गुरुप्रसाद गौड़ा उपस्थित थे। मोहन गौड़ा ने कहा, 16 दिसंबर, 2023 को बेंगलूरु में 'कर्नाटक राज्य प्रथम मंदिर सत्र' आयोजित किया गया था। इसी प्रकार, ये सत्र गोवा और महाराष्ट्र राज्यों में आयोजित किए गए। उसके बाद महासंघ का काम दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है और दो साल के भीतर यह पूरे देश में पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक मंदिर महासंघ के मीडिया द्वारा राज्य के 250 से अधिक मंदिरों में ड्रेस कोड लागू किया गया है, और देश भर में 15 हजार से अधिक मंदिरों में ड्रेस कोड का आयोजन किया गया है। गुरुप्रसाद गौड़ा ने बताया कि इस सम्मेलन में हरिहरपुर मठ के स्वयंप्रकाश सच्चिदानंद सरस्वती महास्वामीजी, धार्मिक बंदोबस्ती विभाग के पूर्व आयुक्त नंदकुमार आईएएस, वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण श्याम, प्रमिला नेसारगी, कुदाली श्रृंगेरी महासंस्थान के श्री अभिनव शंकर भारती महास्वामीजी आदि भाग लेंगे।

मंदिर महासंघ के राष्ट्रीय संगठक सुनीला घनवाता ने कहा कि मंदिर महासंघ पंच सूत्र के आधार पर काम करता है। मन्दिर जगत का संगठन, समन्वय, मन्दिरों का रख-रखाव, मन्दिरों की सुरक्षा तथा मन्दिरों को सनातन धर्म प्रचार का केन्द्र बनाना। राम मंदिर भी बना लेकिन काशी मथुरा और पूरे देश के 4 लाख से ज्यादा मंदिर सरकार के नियंत्रण में हैं। मंदिर महासंघ इन्हें मुक्त कराकर भक्तों को सौंपने के मुख्य उद्देश्य से काम कर रहा है। मंदिर महासंघ ने आह्वान किया है कि यह अधिवेशन केवल आमंत्रितों के लिए है और इसमें भाग लेने के लिए इस नंबर 7204082609 पर संपर्क करें।

कैंसर से पूरी तरह ठीक हुए कन्नड़ अभिनेता शिव राजकुमार

भरपूर जोश के साथ वापसी का किया वादा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कन्नड़ फिल्मों के अभिनेता शिव राजकुमार उर्फ शिवन्ना ने बुधवार को बताया कि उन्होंने कैंसर को मात दे दी है और वह ठीक हो गए हैं। शिवराजकुमार का अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मियामी कैंसर संस्थान में इलाज किया जा रहा था। अब उनके चिकित्सकों ने बताया कि वह कैंसर-मुक्त हो गए हैं। शिवन्ना के नाम से मशहूर कन्नड़ अभिनेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर अपना और पत्नी गीता शिव राजकुमार का एक वीडियो शेयर किया,

जिसमें दोनों ने अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों को आश्वस्त किया कि अब सब ठीक हो गया है।

उन्होंने कहा कि वह संभवतः मार्च में भरपूर जोश के साथ वापसी करेंगे और कई फिल्मों में गाएंगे, नाचेंगे और अभिनय करेंगे।

गीता ने बताया कि सर्जरी के बाद 'पैथोलॉजी रिपोर्ट' निगेटिव आई है, जिसके बाद चिकित्सकों ने आधिकारिक तौर पर ऐलान कर दिया कि शिव राजकुमार को अब कैंसर नहीं है।

शिव राजकुमार ने वीडियो में कहा, ''मैं थोड़ा तनाव में हूं, क्योंकि मुझे आप सभी से बात करते समय भावुक होने का डर है। सर्जरी के लिए जाते समय मैं काफी भावुक था। मैं भी एक इंसान हूं और मुझे भी डर लगता है।

हालांकि, मेरे सभी प्रशंसकों, सहकर्मियों और प्रियजनों की प्रार्थनाओं से मुझे इस सबका सामना करने के लिए बहुत ताकत मिली।'' उन्होंने अपने प्रशंसकों से कहा कि अब आप सब डरे नहीं, क्योंकि वह अब कठिन दौर से बाहर निकल आए हैं।

नोटिस वास्ते जाहिर करने वजह
(Civil Procedure Code Appendix 'H' Form No. 4)

अज अदालत तहसीलदार महो. मुकाम मारवाड़ जंक्शन

देवाराम बनाम प्रकाश वगै. 14/2022
15/2022

मुकदमा नं. सन्
बाबत् 135 (2) LRACT

(1) प्रकाश पुत्र रमेशचंद्र
(2) केसाराम उपनाम किशोर पुत्र रमेशचंद्र

वल्द रमेशचंद्र कौम सिरवी साकिन ईसाली परगना मा.जं. हाल बेंगलूरु क्योंकि

इस अदालत में दरख्वास्त पेश है कि लिहाजा आपको इत्तला दी जाती है कि तारीख 27 माह जनवरी सन् 2025 बरोज.....वार 10:30 AM बजे दिन को अदालत हाजा में असालतन या अदालतन हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफ वजह करो, वरना दरख्वास्त मजकूर एक तरफा सुनी व फैसला की जावेगी।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत आज तारीख 30 माह 12 सन् 2024 जारीकिया।

तहसीलदार
मारवाड़ जंक्शन(पाली)
ओहदा

'नया साल राज्यवासियों के लिए खुशियां लेकर आए'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, राज्य के सभी लोगों को नए साल की शुभकामनाएं। वर्ष 2025 सभी के लिए खुशियां लेकर आए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही गारंटी से जनता की ताकत बढ़ेगी, नए वर्ष में कर्नाटक की ताकत और भी बढ़ेगी। नए साल की इस शुभ घड़ी की शुरुआत नए उत्साह के साथ करें। अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में आपकी यात्रा सफल हो। उन्होंने एक मीडिया बयान में कहा कि इस साल भी राज्य में बारिश और फसल अच्छी होगी।

उन्होंने कहा कि राज्य आर्थिक और सामाजिक रूप से आगे बढ़े। कांग्रेस सरकार प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। गारंटीशुदा योजनाओं ने 2024 में आम लोगों के जीवन में असाधारण बदलाव लाया है।

पुष्पांजलि

बेंगलूरु में बुधवार को दलित आंदोलन के वरिष्ठ नेता लक्ष्मीनारायण नागवारा को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या। मुख्यमंत्री ने परिवार और रिश्तेदारों से बात की और उनका दुख साझा किया। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को लक्ष्मीनारायण के अंतिम संस्कार के दौरान पुलिस सम्मान देने का निर्देश दिया।

मुलाकात

नई दिल्ली में बुधवार को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से कैलेन्डर नए वर्ष के मौके पर मुलाकात कर उन्हें बधाई देकर आशीर्वाद प्राप्त करते हुए कर्नाटक भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक विजयेन्द्र येडीयुरप्पा। उन्होनें पिछले वर्ष से कर्नाटक में पार्टी को संगठित करने के लिए कांग्रेस प्रशासन के फलस्वरूप उत्पन्न हुई अनेक समस्याएँ, वर्तमान राज्य में उत्पन्न हुई अनेक समस्याएँ, कांग्रेस सरकार के मंत्रियों पर लगे आरोप तथा योजनाबद्ध कार्यक्रम आने वाले दिनों में संगठन को और मजबूत करने तथा उचित मार्गदर्शन का अनुरोध किया।

आमंत्रण

बेंगलूरु में नए वर्ष के मौके पर बुधवार को कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार मीना ने राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात की। उन्होंने 25 जनवरी को बेंगलूरु में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2025 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी वेंकटेश कुमार एवं स्वीप प्रमुख पीएस वस्त्राद उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

भारत सरकार
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली

विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण में तकनीकी सदस्य (पीएनजी) के पद को भरने के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

1. उपरोक्त पद के लिए आवेदन पत्र और पात्रता तथा सेवा की शर्तों के बारे में विस्तृत जानकारी मंत्रालय की नीचे उल्लिखित वेबसाइट पर उपलब्ध है।

http://www.mopng.gov.in

2. विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र वांछित दस्तावेजों के साथ संयुक्त सचिव (जीपी प्रभाग), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 के कार्यालय में 02.02.2025 तक पहुंच जाना चाहिए।

CBC 33101/11/0004/2425

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समूह प्रमुख, इस्ट्रैक, इसरो पीण्या, बेंगलूरु-58 द्वारा समुचित वर्ग के ठेकेदारों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है। (फोन : 080-28094541,28094178)

	कार्य का नाम	एससीसी, पीन्या में एमओएक्स-1 और 2 और तकनीकी परिसर और आईआरएनएसएस आईडीएसएन, ब्याललू, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में स्थापित केंद्रीय एयर कंडीशनिंग संयंत्रों (चिलर को छोड़कर) एएचयू और अन्य एसी सिस्टम के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध	32एम एंटीना बिल्डिंग और एस्ट्रो सैट बिल्डिंग, आईडीएसएन, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में यूपीएस रूम के लिए एयर कंडीशनिंग सिस्टम उपलब्ध कराना
	एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/एसी/एमएआईएनटी /ईटीएन-65 2024-2025 दिनांक 26.12.2024	इस्ट्रैक/सीएमजी/एसी/एमएआईएनटी /ईटीएन-66 2024-2025 दिनांक 26.12.2024
	निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 31.64 लाख	रु. 16.33 लाख
	निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा
	कार्यादेश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि	24 (चौबीस) महीने, समान नियमों और शर्तों के साथ अनुबंध को एक वर्ष की अवधि के लिए आगे बढ़ाने का प्रावधान	दो (02) माह
	निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	02.01.2025 से 18.01.2025 को 16.00 बजे तक	
	बोली स्पष्टीकरण	03.01.2025 से 19.01.2025 को 16.00 बजे तक	
	बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	21.01.2025 को 16.00 बजे तक	
	निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	21.01.2025 को 16.00 बजे तक	
	निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	22.01.2025 को 11.00 बजे से	
	अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 63,280.00	रु. 32,660.00

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

नए साल के पहले दिन धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नव वर्ष के उपलक्ष्य में राजस्थान के अधिकांश प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। जयपुर के गोविंद देव जी, मोती डूंगरी स्थित गणेश जी, काले हनुमान मंदिर, आमेर आदि मंदिरों में दर्शन के लिए कतार में खड़े श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। जयपुर के आराध्य देव गोविंद देव जी मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। वहीं, सीकर के खाटूश्यामजी, जीण माता मंदिर, चूरू के सालासर बालाजी, दौसा के मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में भी दूर दराज से आए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और वहां लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं।

सालासर बालाजी का मंदिर रात ढाई बजे ही खोल दिया गया और नव वर्ष पर बालाजी के दर्शन के लिये देश भर से लोग पहुंचे। मंदिर के आसपास के सभी होटल, गेस्ट हाउस और धर्मशालाएं दो दिन के लिये पहले से ही बुक हो चुकी हैं। 'हनुमान सेवा समिति' के अध्यक्ष यशोदानंदन पुजारी ने बताया कि बुधवार को नववर्ष पर करीब डेढ़ लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा के दर्शन करेंगे और मंदिर प्रशासन ने इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कर ली हैं। उन्होंने बताया कि दर्शन के लिए सात कतार बनाई गई है। ठंड को देखते हुए अलाव तथा गर्म पानी की भी व्यवस्था की गई है। 31 दिसंबर रात साढ़े नौ बजे दर्शन बंद किए गए थे, जो रात ढाई बजे फिर से खोल दिए गए।

राजसमंद जिले के नाथद्वारा में श्रीनाथजी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्रीनाथ जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। चित्तौड़गढ़ के सांवलिया सेठ मंदिर में दर्शन के लिए लोग कतार में खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे।

जैसलमेर के तनोट माता मंदिर और रामदेवरा में नव वर्ष के अवसर पर बुधवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। बीकानेर के देशनोक स्थित करणी माता के मंदिर और सवाई माधोपुर के त्रिनेत्र गणेशजी मंदिर में नव वर्ष पर बुधवार को विशेष पूजा-अर्चना व आरती की गई। नव वर्ष के उपलक्ष्य में लोग एक-दूसरे को बधाई शुभकामनाएं दे रहे हैं। नववर्ष की पूर्व संध्या पर कई स्थानों पर आतिशबाजी के साथ संगीत और नृत्य के कार्यक्रम आयोजित किये गये। देर रात तक लोग जश्न में डूबे रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नव वर्ष पर डीग में मुकुट मुखारविंद और श्रीनाथजी के मंदिर में पूजा-अर्चना की।

इससे पूर्व शर्मा मंगलवार शाम को भरतपुर में गोवर्धन परिक्रमा के पूछरी का लौठा पहुंचे और पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री ने रात को मंदिर के गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम किया और सुबह मंगला आरती में शामिल हुए।

सरकार ने 27 आईएएस, 45 आईपीएस और 29 आईएफएस अधिकारियों को पदोन्नत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), और भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किये। कार्मिक विभाग ने अलग-अलग आदेश जारी कर 27 आईएएस, 45 आईपीएस और 29 आईएफएस अधिकारियों को पदोन्नत किया है। कार्मिक विभाग के 31 दिसंबर को जारी आदेश के अनुसार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के प्रमुख सचिव प्रवीण गुप्ता और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग(पीएचईडी) प्रमुख सचिव भास्कर ए सावंत को अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) के पद पर पदोन्नत किया गया है।

मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ सिहाग को विशेष सचिव के तौर पर पदोन्नत किया गया है। सिद्धार्थ सिहाग और उनकी पत्नी रुक्मिणी रियार को एक साथ पदोन्नति मिली है।

दोनों 2012 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। बाड़मेर जिला कलेक्टर टीना डाबी और उनकी बहन रिया डाबी को एक साथ पदोन्नति मिली है। टीना डाबी 2016 बैच और रिया डाबी 2021 बैच की आईएएस अधिकारी हैं।

जसमीत सिंह संधू और उनकी पत्नी अर्तिका शुक्ला को भी एक साथ पदोन्नत किया गया है। तीन आईपीएस को आईजी से एडीजी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

उमेश दत्ता और नवज्योति गोगोई और लता मनोज कुमार को पुलिस महानिरीक्षक से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर प्रोन्नत किया गया है। डॉ. रवि, ममता राहुल, कैलाशचंद विश्नोई, बारहट राहुल मनहार्डन, सत्येन्द्र कुमार, रणधीर सिंह को पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। आनंद शर्मा, गौरव यादव, भुवन भूषण यादव, प्रह्लाद सिंह कृष्णिया, शरद चौधरी, राजन दुष्यन्त, शंकर दत्त शर्मा, राम मूर्ति जोशी, अरशद अली, आलोक श्रीवास्तव समेत दस आईपीएस अधिकारियों को पुलिस उपमहानिरीक्षक रैंक पर पदोन्नत किया गया है। इसके अलावा 29 आईएफएस को पदोन्नत किया गया है।

कड़ाके की सर्दी का दौर जारी, कुछ स्थानों पर घना कोहरा

जयपुर। राजस्थान में कोहरे और शीतलहर के कारण अधिकतम तापमान में गिरावट के साथ कड़ाके की ठंड पड़ रही है। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार मंगलवार को श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, अलवर और सीकर में अधिकतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे दर्ज किया गया। पूरे दिन घना कोहरा रहने और सर्द हवाएं चलने से इन शहरों में दिन में भी रात जैसी सर्दी रही। केन्द्र ने बृहस्पतिवार से कड़ाके की सर्दी से थोड़ी राहत मिलने की संभावना जताई है।

केन्द्र के एक अधिकारी ने बताया कि पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर शीतलहर भी दर्ज की गई और बुधवार सुबह राज्य के कुछ स्थानों पर घने से लेकर अति घना कोहरा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान राज्य में सबसे ज्यादा तापमान बाड़मेर में 27.6 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम न्यूनतम तापमान सीकर में 4.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के एकमात्र पर्वतीय पर्यटक स्थल माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस, पिलानी और सिरोही में 5 डिग्री, फतेहपुर और श्रीगंगानगर में 5.1 डिग्री, अजमेर में 5.3 डिग्री और अलवर में 5.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री से. रहा।

दौसा में एक बाघ के हमले में महिला सहित तीन लोग जख्मी

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में बुधवार को एक बाघ ने एक महिला समेत तीन लोगों पर हमला कर उन्हें जख्मी कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, घायलों को उपचार के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार को बांदीकुई के महुखुर्द गांव में हुई। बाघ के हमले की सूचना के बाद वन विभाग की टीम भी बाघ को बेहोश करने के लिए घटनास्थल पर पहुंच गई है।

अलवर के जिला वन अधिकारी राजेन्द्र हुड्डा ने बताया कि बाघ मंगलवार रात को अलवर के सरिस्का जंगल से निकलकर दौसा जिले में घुस आया। बुधवार सुबह बाघ ने तीन लोगों पर हमला कर दिया।

उन्होंने बताया कि बाघ मुहाखुर्द गांव में कोली मोहल्ले के पास एक गली में झाड़ियों के पास बैठा था। उगा महावर (45) सबसे पहले झाड़ियों की तरफ गई।

जनवरी के तीसरे सप्ताह में जयपुर में जुटेंगे देश-प्रदेश के खनिज अन्वेषण विशेषज्ञ : रविकान्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में राज्य में खनिज संपदा की वैज्ञानिक तरीके से खोज करने की संभावनाओं पर मंथन करने के लिये जनवरी के तीसरे सप्ताह में देश एवं राज्य के सरकारी-गैरसरकारी संस्थाओं के विशेषज्ञ प्रतिनिधि जयपुर में जुटेंगे। राजस्थान के खनन, भू गर्भ और पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने बुधवार को यह जानकारी देते हुये बताया कि राज्य की विपुल खनिज संपदा के अन्वेषण कार्य को गति देने और इसमें केन्द्र एवं राज्य की संस्थाओं के साथ ही निजी क्षेत्र की अन्वेषण संस्थाओं की भागीदारी की संभावनाओं पर भी मंथन किया जायेगा। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में आवश्यक दिशानिर्देश देते हुये मंथन को उपादेय एवं विशेषज्ञों की भागीदारी तय करने के निर्देश दिये। रविकांत ने बताया कि इसमें भारत सरकार के राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट की सहभागिता भी रहेगी।

रविकान्त ने बताया कि राज्य में 82 प्रकार के खनिज उपलब्ध हैं, उनमें से अभी 57 खनिजों का ही खनन हो रहा है। केन्द्र सरकार के नये प्रावधानों के अनुसार महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज की नीलामी का कार्य पहली बार केन्द्र सरकार ने अपने हाथ में लिया है। इसके लिये केन्द्र सरकार ने निजी क्षेत्र में खनिज का कार्य कर रही संस्थाओं की भी भागीदारी तय करने का निर्णय किया है। इसी कड़ी में खनिज लाइसेंस (ईएल) के लिये भी

खनिज खंडों की नीलामी की जाने लगी है। उन्होंने बताया कि जयपुर में आयोजित एक दिवसीय मंथन में केन्द्र सरकार के खनिज मंत्रालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, खनिज अन्वेषण निगम लिमिटेड (एमईसीएल), भारतीय खान ब्यूरो, एटोमिक खनिज विभाग के साथ ही निजी क्षेत्र की खनिज अन्वेषण संस्थायें और विभाग के अधिकारियों की भागीदारी तय की जायेगी। इसके साथ ही इस क्षेत्र में कार्य कर रही प्रादेशिक संस्थाओं के साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा अधीकृत संस्थाओं के इसमें शामिल होने से राज्य में खनिज अन्वेषण की संभावनाओं के साथ ही भविष्य का खाका तैयार करने में भी मदद मिलेगी।

रविकान्त ने बताया कि प्रमुख खनिज खंडों की नीलामी में राजस्थान समूचे देश में शीर्ष पर आ गया है। राज्य में महत्वपूण और रणनीतिक खनिज के भी अच्छे संकेत मिले हैं। ऐसे में राज्य की खनिज संपदा की खोज में नवीनतम तकनीक के उपयोग और अन्वेषण के सटीक विश्लेषण में सहयोग प्राप्त हो सकेगा। उन्होंने बताया कि इससे राज्य में खनिज खोज कार्य को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने नववर्ष पर गिरिराज जी का लिया आशीर्वाद, देश-प्रदेश में खुशहाली की कामना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डीग। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नववर्ष पर ग्राम पूंछरी में दूसरे दिन सपरिवार गिरिराज जी का आशीर्वाद लिया और देश प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान उनके साथ गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नववर्ष के उपलक्ष्य में गोवर्धन परिक्रमा के अहम पड़ाव पूंछरी का लौठा पहुंचे।

शर्मा ने विशेष मंगला आरती में आमजन की भाँति श्रीनाथजी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने सभी के साथ नए साल की रामा श्यामा करते हुए प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। उन्होंने पूँछरी का लौठा में मुकुट मुखारबिंद पर श्रीगिरिराज जी का दुग्धाभिषेक किया। इस दौरान श्रद्धालु श्री गिरिराज जी महाराज के जयकारे लगाते नजर आए। उन्होंने पंचामृत व जड़ी बूटियों के साथ दूध से गिरिराज जी महाराज का दुग्धाभिषेक किया। मुखारबिंद में दुग्धाभिषेक के पश्चात उन्होंने स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होकर गिरिराज जी का कीर्तन किया और आमजन के साथ नया साल मनाया। इसके साथ ही अनेक प्रकार के व्यंजनों का श्रीनाथ जी को भोग लगाया गया। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ही भंडारे, प्रसादी वितरण की भी व्यवस्था की गई थी।

उल्लेखनीय है कि गिरिराज जी परिक्रमा पथ के विकास को चार जोन में बांटकर विकसित करने की योजना बनाई गई है। पहले जोन का शिलान्यास 15 दिसंबर, 2024 को हुआ है जिसमें श्रीनाथ जी मंदिर, पूंछरी का लौठा मंदिर, दाऊजी का मंदिर, गंगा मंदिर, नरसिंह जी मंदिर, मुखारबिंद, अप्सरा कुंड एवं नवल कुंड, फाउंटेन, राधा वाटिका, बोटेनिकल गार्डन, लोटस पौंड, मयूर वाटिका, विष्णु अवतार गार्डन का विकास करवाया जाएगा।

इसके बाद दूसरे जोन में भव्य प्रवेश एवं निकास द्वार, मार्ग का सौंदर्यीकरण, रोशनी, विश्राम मंडप, पेयजल सुविधाओं, फूड जॉइंट एवं स्टॉल, भगवान श्री कृष्ण से संबंधित मूर्तियां, गैलरियों का निर्माण जैसे कार्य करवाए जाएंगे। परिक्रमा पथ के तीसरे जोन में परिक्रमा मार्ग के बाहर एंट्री प्लाजा, ग्रीन कैनाल वाटरफ्रंट, पार्किंग, गोठ स्थल, भजन एवं कीर्तन स्थल, पौराणिक आर्ट गैलरी, गिरिराज जी म्यूजियम, सांस्कृतिक केंद्र, आध्यात्मिक केंद्र, आर्ट विलेज आदि का विकास किया जाएगा।

वहीं, चौथे जोन में बनने वाली 250 फुट ऊंची मूर्ति श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होगी।

इस जोन में आश्रम गांव, मेडिटेशन हॉल, गौशालाओं, राजस्थानी हैंडीक्रॉफ्ट बाजार आदि का विकास किया जाएगा। इस अवसर पर भरतपुर रेंज आई जी राहुल प्रकाश, जिला कलेक्टर डीग उत्सव कौशल, जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर डीग संतोष कुमार मीणा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद रहे।

सांवलियाजी मंदिर में लगा नए साल का मेला, करीब आठ लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे दर्शन को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। जिले के प्रख्यात कृष्णधाम श्री सांवलियाजी मंदिर में नए साल पर भारी भीड़ उमड़ी। हर कोई राध्य देव के दर्शन कर अपने नए साल की शुरुआत करना चाहता था। यही कारण रहा कि पांच दिन पहले से ही कस्बे के सभी होटल और गेस्ट हाउस में कमरे फूल हो गए। जो कमरा 500 से 1000 रूपए में बुक हो रहा था, वे ही कमरे तीन से पांच हजार रुपए में बुक हुए। यहां तक केवल स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं को 200 रुपए प्रति व्यक्ति तक देने पड़े। इधर, मंदिर प्रशासन की और से श्रद्धालुओं की संभावित संख्या को देखते हुए भारी बंदोबस्त किए थे। पुलिस थानों, लाइन और निजी सुरक्षा गार्ड मिलाकर करीब 500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए।

बुधवार सुबह मंदिर में 5.15 बजे मंगला आरती के साथ दर्शन शुरू हुए, लेकिन कड़ाके की सर्दी के बावजूद चार बजे से ही सिंहद्वार के सामने श्रद्धालुओं की कतार लगना शुरू हो गई। देखते ही देखते कतार में लाखों श्रद्धालु लग गए। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए श्रृंगार के दौरान दर्शन बंद नहीं किए। मंदिर की और से केवल सिंहद्वार से ही प्रवेश रखा गया था। सख्ती इतनी रही कि मंदिर के कर्मचारी भी अपनी ड्यूटी पर समय पर नहीं पहुंच पाए। मंदिर की ओर से श्रद्धालुओं के लिए निर्धारित पार्किंग की व्यवस्था की गई थी।

ऐसे में श्रद्धालुओं को मंदिर तक पैदल ही पहुंचा पड़ा। जानकारों की मानें तो एक दिन में श्रद्धालुओं के आने का नया रिकॉर्ड बना है। अमूमन जलझूलनी एकादशी मेले, जन्माष्टमी व हरियाली अमावस्या पर श्रद्धालु अधिक संख्या में आते हैं। पांच-छह साल में श्रद्धालुओं की संख्या एक जनवरी पर बढ़ने लगी है।

करीब आठ लाख श्रद्धालुओं के मंदिर दर्शन के लिए पहुंचने की बात कही जा रही है। इधर, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रभा गौतम, एसडीएम ऋषि सुधांशु पांडे सहित मंदिर मंडल का स्टाफ दर्शनार्थियों की व्यवस्थाओं को संभालने में सुबह पांच बजे से लगा रहा। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश सांखला, भदेसर डिप्टी अनिल शर्मा, सीआई मोतीराम सारण, एसएचओ शीतल गुर्जर सहित बड़ी सहित बड़ी संख्या में पुलिस जाप्ता सुरक्षा व्यवस्था संभाले रहा।

शेखावत ने तिरुपति बालाजी में किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने नए साल के पहले दिन तिरुपति बालाजी मंदिर में आशीर्वाद लिया। अपने धर्मपत्नी नोनद कंवर के साथ उन्होंने भगवान श्री वेंकटेश्वर के चरणों में पूजा अर्चना की। शेखावत ने तिरुमाला को 'भूलोक वैकुंठम' बताते हुए कहा कि यह स्थान वास्तव में अलौकिक है।

मंत्री शेखावत ने देशवासियों को नए साल की शुभकामनाएं दी और कहा कि 2025 एक नया उत्कर्ष लेकर आएगा, जो भारत को वर्ष 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ओर एक कदम और करीब ले जाएगा। उन्होंने यह भी आह्वान किया कि हम सब मिलकर नववर्ष की शुरुआत संस्कृति, विरासत, एकता और निरंतर विकास के उत्सव के रूप में मनाएं।

शेखावत ने समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए तिरुपति बालाजी से प्रार्थना की कि भगवान श्री वेंकटेश्वर भारत पर अपनी छत्रछाया बनाए रखें और हर नागरिक के जीवन में सुख और समृद्धि आए।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से बुधवार को लोकायुक्त प्रताप कृष्ण लोहरा ने मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को लोकायुक्त, राजस्थान का 36 वाँ वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। लोकायुक्त सचिवालय के सचिव गौरीशंकर शर्मा भी इस दौरान उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेशः नववर्ष पर अयोध्या के राम मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में नव वर्ष के मौके पर बुधवार को राम मंदिर में भगवान राम के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक, नव वर्ष की पूर्व संध्या पर अयोध्या में दो लाख से अधिक भक्त आ चुके थे और बुधवार सुबह लगभग तीन लाख से अधिक लोग राम लला के दर्शन के लिए पहुंचे।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालु राम लला के दर्शन के लिए कतार में खड़े थे और भक्तों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए शहर को कई सेक्टरों और जोन में विभाजित किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था और इस दौरान चौबीसों घंटे वाहनों की जांच की गई। उन्होंने बताया कि हनुमानगढ़ी मंदिर में भी ऐसा ही नजा देखने को मिला, जहांसुबह की आरती से लेकर शाम की शयन आरती तक भीड़ लगी रही।

अधिकारियों के मुताबिक, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने राम जन्मभूमि पथ पर 10 अतिरिक्त आगंतुक दीर्घाएं तैयार की थीं, जिससे दर्शन के लिए लाइनों की संख्या 10 से बढ़कर 20 हो गई। पुलिस उपाधीक्षक (अयोध्या) आशुतोष तिवारी ने बताया कि शहर को सात सुरक्षा सेक्टरों और 24 जोन में विभाजित किया गया था, जिसमें प्रत्येक क्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी तैनात किए गए थे।

उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया और भीड़भाड़ से बचने व लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात की आवाजाही को सख्ती से नियंत्रित किया गया। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने एक बयान में बताया कि सर्दियों के मौसम और छुट्टियों के कारण आगंतुकों की संख्या में वृद्धि हुई है।

उन्होंने बताया कि स्कूल, अदालतें और कृषि कार्य बंद होने के कारण लोग छुट्टियां मनाने गोवा, नैनीताल, शिमला या मसूरी जैसे पारंपरिक पर्यटन स्थल जाने के बजाये अयोध्या आना पसंद करते हैं।

दौलताबाद में लंबे समय के बाद खोला गया मंदिर

मुरादाबाद/भाषा। मुरादाबाद में लंबे समय के बाद दौलताबाग क्षेत्र में एक मंदिर को स्थानीय प्रशासन और अधिकारियों द्वारा फिर से खोला गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि 44 वर्षों बाद इस मंदिर को सोमवार को दोबारा खोला गया। यह मंदिर ऐसे समय में फिर से खोला गया है जब उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में कई बंद पड़े मंदिरों को फिर खोला जा रहा है। नागफनी थाना के निरीक्षक सुनील कुमार ने कहा, प्रशासन के आदेश पर पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों की एक टीम ने इस मंदिर को खोलने का काम शुरू किया। इसको लेकर किसी का कोई विरोध या अशांति नहीं रही और स्थानीय लोग इस प्रयास में सहयोग कर रहे हैं।

छह से 10 जनवरी तक स्कूल-कॉलेजों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमः मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को निर्देश दिया कि छह से 10 जनवरी तक सभी स्कूल-कॉलेजों में सड़क सुरक्षा नियमों से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को यह निर्देश दिया।

योगी ने कहा कि जिला सड़क सुरक्षा समिति, जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पांच जनवरी तक हर हाल में बैठक संपन्न करें। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) व होमगार्डों की संख्या बढ़ाने का भी निर्देश दिया। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में हर वर्ष हो रही हजारों मौतें जागरूकता के कमी के कारण होती हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी 75 जिलों में इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने का निर्देश दिया। योगी ने कहा कि इसके अलावा हर महीने जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा की बैठक हो, जिसमें पुलिस अधीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, आरटीओ, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

कुएं से व्यक्ति को बचाने की कोशिश में चार लोगों समेत पांच की मौत

हजारीबाग/भाषा। झारखंड के हजारीबाग में कुएं से एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश कर रहे चार लोगों समेत पांच व्यक्तियों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हजारीबाग के चरही में उस दौरान यह घटना हुई जब सुंदर करमाली (27) नामक व्यक्ति ने पत्नी रूपा देवी के साथ हुए घरेलू विवाद के कारण कुएं में छलांग लगा दी थी। बिष्णुगढ़ के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) बी.एन. प्रसाद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, करमाली गुस्से में आकर मोटरसाइकिल लेकर कुएं में कूद गया। उसे बचाने के लिए चार अन्य लोग भी एक के बाद एक कुएं में उतर गए, लेकिन सभी की मौत हो गई। अधिकारी ने मृतकों की पहचान राहुल करमाली (26), विनय करमाली, पंकज करमाली और सूरज भुइयां (24) के रूप में हुई है। एसडीपीओ ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

बांग्लादेश में उथल-पुथल से भाजपा के सदस्यता अभियान को मिला बल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के चलते भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के सदस्यता अभियान को बल मिला है, जब पार्टी एक करोड़ के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है। सीमा के उस ओर अल्पसंख्यक समुदाय पर हमलों ने भाजपा को ऐसे समय में लोगों का समर्थन हासिल करने का मौका प्रदान किया है, जब वह संगठनात्मक खामियां, आंतरिक कलह और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राजनीतिक प्रभुत्व द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला करना चाहती है।

टीएमसी और भाजपा दोनों ही 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक विमर्श को आकार देने के लिए बांग्लादेश मुद्दे का इस्तेमाल कर रही हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति में हिंदू अल्पसंख्यकों को नुकसान उठाना पड़ा है। वहां उथल-पुथल से (यहां पार्टी के) सदस्यता अभियान में तेजी आयी है क्योंकि लोग भाजपा को स्थिरता सुनिश्चित करने में एकमात्र सक्षम पार्टी के रूप में देखते हैं और तृणमूल कांग्रेस के शासन में इसी तरह की घटनाओं को लेकर भयभीत हैं, जिसे अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के लिए जाना जाता है। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने पिछले एक महीने से पश्चिम बंगाल में आक्रामक अभियान चलाया हुआ है, जिसका मुख्य जोर बांग्लादेश में 'हिंदुओं की दुर्दशा' है। उन्होंने टीएमसी पर वोट बैंक की राजनीति के तहत जिहादियों और कट्टरपंथियों को पनाह देने का आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास 1.64 करोड़ की चल और अचल संपत्ति

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास 1.64 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति है। कुमार ने अपनी संपत्ति का खुलासा करते हुए यह जानकारी दी। बिहार सरकार की वेबसाइट पर 31 दिसंबर को साझा किए मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों की संपत्ति के विवरण के अनुसार, कुमार के पास 21,052 रुपये नकद और विभिन्न बैंक खातों में करीब 60,811.56 रुपये जमा हैं। सरकार ने मंत्रिमंडल के सभी मंत्रियों के लिए हर वर्ष के आखिरी दिन संपत्ति और देनदारियों का खुलासा करना अनिवार्य कर दिया है। खुलासे के अनुसार, कई मंत्री मुख्यमंत्री से ज्यादा अमीर हैं।

टीएमसी ने 26वां स्थापना दिवस मनाया, ममता ने बंगाल के अधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बुधवार को राज्य भर में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ अपना 26वां स्थापना दिवस मनाया। पार्टी की स्थापना एक जनवरी 1998 को हुई थी। इस अवसर पर टीएमसी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य के लोगों के अधिकारों के लिए पार्टी का संघर्ष जारी है और भविष्य में भी जारी रहेगा।

ममता बनर्जी ने फेसबुक पर लिखा, सबसे पहले मैं आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। इसके साथ ही आज हमारी पार्टी का स्थापना दिवस भी है। इस वर्ष के स्थापना दिवस के अवसर पर मैं आपके साथ अपना लिखा और

संगीतबद्ध किया एक गीत साझा कर रही हूं। यह गीत प्रसिद्ध गायक श्री इंद्रनील सेन ने गाया है। बंगाल के लोगों के अधिकारों के लिए हमारा संघर्ष जारी है और आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। जय हिंद! जय बांग्ला! वंदे मातरम! तृणमूल कांग्रेस जिंदाबाद! मां-माटी-मानुष जिंदाबाद। इस अवसर पर टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके समर्पण और बलिदान के लिए फेसबुक पर धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, टीएमसी देश और राज्य के लोगों के कल्याण के लिए समर्पित है। मैं सभी टीएमसी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और बलिदान को सलाम करता हूं। वे हमारी पार्टी की रीढ़ हैं। नए साल में, आइए भविष्य के संघर्षों के लिए नए जोश के साथ तैयारी करें। टीएमसी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम, सार्वजनिक समारोह और कस्बों व गांवों में जमीनी स्तर पर पार्टी के गहरे जुड़ाव को दर्शाने के लिए ध्वजारोहण समारोह आयोजित किए जाएंगे। कोलकाता में पार्टी मुख्यालय में चहल-पहल रही, जहां वरिष्ठ नेताओं ने टीएमसी का झंडा फहराया और पार्टी संस्थापकों को याद किया। इस दौरान युवा शाखा ने रैलियां निकालीं जबकि महिला समर्थकों ने बंगाल की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

भाजपा दिल्ली में पूजा स्थलों को ध्वस्त करने की साजिश रच रही है : मुख्यमंत्री आतिशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार को आरोप लगाया कि एक तरफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय राजधानी में मंदिरों और एक बौद्ध धार्मिक स्थल को ध्वस्त करने की साजिश रच रही है तो दूसरी ओर आम आदमी पार्टी (आप) ने पुजारियों और ग्रंथियों को 18,000 रुपए मासिक मानदेय देने का वादा किया है।

आतिशी ने मंगलवार को उपराज्यपाल को पत्र लिखकर दावा किया था कि सक्सेना के अधीन एक 'धार्मिक समिति' ने 22 नवंबर को अपनी बैठक में दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में मंदिरों और एक बौद्ध पूजा स्थल समेत छह धार्मिक संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया था।

उपराज्यपाल कार्यालय ने मंगलवार को लगाए मुख्यमंत्री के आरोप का खंडन करते हुए उन पर ''ओछी राजनीति'' करने का आरोप लगाया था और दावा किया था कि किसी भी पूजा स्थल को ध्वस्त नहीं किया जा रहा है, क्योंकि इस संबंध में कोई फाइल उनके पास नहीं आई है।

बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आतिशी ने उपराज्यपाल कार्यालय के खंडन को ''पूरी तरह गलत'' करार दिया और धार्मिक समिति की बैठक की कार्रवाई की एक प्रति दिखाई। उन्होंने दावा किया, समिति के आदेश की फाइल भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के प्रतिनिधि उपराज्यपाल को भेजी गई थी। उपराज्यपाल ने इस फैसले को मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), जिलाधिकारी (डीएम) कार्यालयों और पुलिस को सूचित कर दिया गया है तथा वे पूजा स्थलों को ध्वस्त करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुंदर नगरी में जिस बौद्ध धार्मिक संरचना को ध्वस्त करने साजिश रची जा रही है, उसमें डॉ. बी.आर. अंबेडकर की मूर्ति है।

आतिशी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश से गठित होने के बाद से धार्मिक समिति दिल्ली सरकार के गृह मंत्री के अधीन काम करती रही है और उसके निर्णयों को मंत्री द्वारा अनुमोदित किया जाता रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि, सक्सेना ने पिछले साल निर्देश दिया था कि किसी भी धार्मिक स्थल को गिराना या किसी और जगह स्थानांतरित करना कानून व्यवस्था का मामला है और यह केंद्र तथा उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में आता है। उन्होंने दावा किया कि धार्मिक समिति का फैसला दिल्ली के मुख्यमंत्री या गृह मंत्री के समक्ष पेश नहीं किया गया था। आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा धार्मिक स्थलों को ध्वस्त करना चाहती है और कहा कि अगर उपराज्यपाल का कार्यालय ऐसा नहीं करना चाहता है तो ध्वस्तीकरण का आदेश वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर हुआ है। एक तरफ वे हिंदुओं के रक्षक होने का दावा करते हैं तो दूसरी तरफ वे गुप्त रूप से मंदिरों को ध्वस्त करने की साजिश रचते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप ने दिल्ली में सत्ता में लौटने पर मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18,000 रुपए देने का वादा किया है, जबकि भाजपा ने धर्म के नाम पर वोट मांगने के बावजूद हिंदुओं के लिए कुछ नहीं किया है। उन्होंने बताया कि जिन छह धार्मिक ढांचों को ध्वस्त किया जाना है वे वेस्ट पटेल नगर, दिलशाद गार्डन, सुंदर नगरी, सीमा पुरी, गोकल पुरी और न्यू उस्मानपुर में स्थित हैं।

आगरा के युवक ने लखनऊ के होटल में चार बहनों, मां की हत्या की

लखनऊ/भाषा। स्तब्ध करने वाली एक घटना में आगरा के 24 वर्षीय युवक ने जमीन से जुड़े विवाद में अपने समुदाय के लोगों द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न से परेशान होकर बुधवार की सुबह यहां एक होटल में अपनी चार बहनों और मां की कथित तौर पर हत्या कर दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी मोहम्मद अरशद को इस दिल दहलाने वाली घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना नाका क्षेत्र में स्थित होटल शरनजीत में घटित हुई।

पुलिस उपायुक्त (मध्य लखनऊ) रवीना त्यागी ने कहा कि आरोपी की पहचान अरशद (24) के रूप में हुई जिसने अपने ही परिवार के पांच सदस्यों की हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने उसे घटनास्थल से ही पकड़ लिया। मृतकों की पहचान आलिया (9), अलशिया (19), अक्सा (16), रहमीन (18)- सभी अरशद की बहनें और अस्मा (आरोपी युवक की मां) के रूप में हुई है। 24 वर्षीय अरशद आगरा का रहने वाला है और उसने घरेलू विवाद की वजह से यह कदम उठाया। फॉरेंसिक टीम को साक्ष्य एकत्रित करने के लिए घटनास्थल पर लगाया है और विस्तृत जांच शुरू की गई है। घटनास्थल पर पहुंचे संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) बबलू कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि फारेंसिक टीम साक्ष्य संग्रह करने के लिए सक्रियता के साथ जांच कर रही है।

कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने बताया एसटीएफ से खतरा, लगाया राजनीतिक चरित्र हनन का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने खुद को राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) से खतरा बताते हुए कहा है कि 'सामाजिक न्याय की जंग' में उनके साथ किसी तरह का षड्यंत्र या दुर्घटना हुई तो इसकी सारी जिम्मेदारी एसटीएफ की होगी। प्राविधिक शिक्षा विभाग के कैबिनेट मंत्री पटेल ने पदोन्नति में भ्रष्टाचार का झूठा आरोप लगाकर राजनीतिक चरित्र हनन किए जाने का भी इल्जाम लगाया और पूछा कि अगर वाकई कोई गड़बड़ी हुई है तो इसके लिए सिर्फ उन्हें ही क्यों दोषी करार दिया जा रहा है। उनके मुताबिक, इसी से जाहिर होता है कि यह सब षड्यंत्र के तहत किया जा रहा है।

पटेल ने 'एक्स' पर कहा, उत्तर प्रदेश के सबसे ईमानदार आईएएस अधिकारी एवं तत्कालीन प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा एम देवराज की अध्यक्षता में हुई विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुति और शीर्ष स्तर पर सहमति के आधार पर हुई पदोन्नति के बावजूद राजनीतिक चरित्र हनन के लिए लगातार मीडिया ट्रायल अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा, 'मैंने पहले भी कहा है और फिर कह रहा हूँ कि माननीय मुख्यमंत्री यदि उचित समझें तो मेरे राजनीतिक चरित्र हनन के इस प्रयास पर स्थायी विराम के लिए बतौर मंत्री मेरे द्वारा अब तक लिए गए सभी फैसलों की सीबीआई जांच करा सकते हैं।' अगर उचित समझा जाए तो मेरी तथा मेरी पत्नी और अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल जी के सांसद-विधान परिषद सदस्य बनने के बाद अर्जित की गई संपत्ति की भी जांच कराई जाए। उन्होंने अपने खिलाफ षड्यंत्र को सामाजिक न्याय की आवाज को कुचलने की साजिश करार देते हुए कहा, पदोन्नति के इस मामले में कुछ लोगों की परेशानी का कारण उन ओबीसी और वंचित वर्ग को लाभ मिलना है, जिनके अधिकारों की सालों से हकमारी की जा रही थी।

बसपा दिल्ली की सभी 70 सीट पर चुनाव लड़ने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीट पर चुनाव लड़ सकती है तथा उम्मीदवारों की पहली सूची जनवरी के मध्य तक जारी होने की संभावना है। पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि शहर को पांच जोन में बांटा गया है और सभी जोन में उम्मीदवारों के नाम तय करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि फरवरी में प्रस्तावित दिल्ली विधानसभा चुनाव दिलचस्प और 'चुनौतीपूर्ण' दोनों हैं। पदाधिकारी ने कहा कि उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया की निगरानी के लिए प्रत्येक जोन में समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा, 'ये समन्वयक अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देंगे और उन्हें बहनजी (बसपा प्रमुख मायावती) को भेजेंगे। उम्मीदवारों के संबंध में अंतिम निर्णय इन सिफारिशों के आधार पर किया जायेगा। उम्मीदवारों की सूची 15 जनवरी तक तय होने की उम्मीद है। बसपा ने दिल्ली में 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीट पर चुनाव लड़ा था लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। बसपा को 0.71 प्रतिशत मत मिले थे।

रोहित शर्मा ने अपनी शर्तों पर क्रिकेट से संन्यास लेने का अधिकार हासिल किया है : माइकल क्लार्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी शर्तों पर क्रिकेट से संन्यास लेने का अधिकार हासिल किया है। रोहित ऑस्ट्रेलिया में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं जिससे उन पर धीरे-धीरे दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अब तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं और इसमें कोई महत्वपूर्ण पारी नहीं खेली है।

टीम के एक अन्य दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली भी शृंखला में लगातार ऑफ स्टंप के

बाहर की गेंदों पर आउट होने के कारण आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं।

क्लार्क ने शुक्रवार को यहां शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट से पहले 'ईएसपीएन' से कहा, आपने देखा होगा कि कई खिलाड़ियों के साथ ऐसा होता है, कुछ के लिए कप्तानी मददगार होती है, जबकि अन्य के लिए नहीं। मुझे निश्चित रूप से लगता है कि वह सिडनी में खेलेंगे। मुझे नहीं लगता कि वे उन्हें टीम से बाहर करेंगे। मुझे लगता है कि रोहित शर्मा ने यह अधिकार हासिल किया है और वह कप्तान हैं। जब आप कप्तान होते हैं तो आपको थोड़ी अधिक छूट भी मिलती है। उन्होंने कहा, हालांकि उनके आंकड़े बहुत अच्छे नहीं हैं। लेकिन वे रोहित को अपनी शर्तों पर आगे बढ़ने की अनुमति देंगे। मुझे नहीं पता कि सिडनी उनका आखिरी टेस्ट होगा या नहीं। मुझे नहीं पता कि वह क्या सोच रहे हैं या टेस्ट क्रिकेट के लिहाज से भारत के पास क्या योजना है। क्लार्क ने कहा, मुझे नहीं पता कि रोहित कप्तानी के लिहाज से कैसा महसूस करते हैं। अभी वह दूसरे बच्चे के पिता बने हैं। मुझे लगता है कि वह निश्चित रूप से सिडनी में खेलेंगे।

जाने माने कार्टूनिस्ट हरीश चंद्र शुक्ला 'काक' का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद/भाषा। देश के जाने माने कार्टूनिस्ट हरीश चंद्र शुक्ला उर्फ 'काक' का बुधवार को यहां निधन हो गया। उनके पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 85 वर्ष के थे। हरीश चंद्र शुक्ला का बुधवार को यहां हिंडन शमशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया जहां परिजनों और मित्रों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। हरीश चंद्र शुक्ला का जन्म 16 मार्च 1940 को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के एक छोटे से गाँव पुरा में हुआ था। पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर रहे काक के पिता शोभा नाथ शुक्ला एक स्वतंत्रता सेनानी थे।

काक के कार्टूनों का स्वर्णिम काल 1983 से 1990 के बीच था, जब अखबार पढ़ने वाले ज्यादातर लोग पहले 'काक' के कार्टून देखते थे और बाद में समाचार पढ़ते थे। उनकी विनोदप्रियता और चुटीली कटाक्ष शैली उनके कार्टूनों को एक खास किस्म की धार देती थी जिसके लिए वह अपने पाठकों के बीच लोकप्रिय थे। उनके कार्टून दैनिक राजनीतिक घटनाओं का सटीक विश्लेषण करते थे। उनका पहला कार्टून 1967 में दैनिक जागरण समाचारपत्र में प्रकाशित हुआ था। उन्होंने 1983 से 1985 तक जनसत्ता (इंडियन एक्सप्रेस समूह) के साथ और जुलाई 1985 से जनवरी 1999 तक नवभारत टाइम्स (टाइम्स ऑफ़ इंडिया समूह) के साथ एक संपादकीय कार्टूनिस्ट के रूप में काम किया। काक को उनके योगदान के लिए 2003 में हिंदी अकादमी दिल्ली द्वारा काका हाथरसी सम्मान और एर्नाकुलम (कोच्चि) में उन्हें केरल ललित कला अकादमी और केरल कार्टून अकादमी द्वारा भी सम्मानित किया गया।

सुविचार

बरसात का पानी ऊंची जमीन पर नहीं टिकता, वो बहकर नीचे ही आता है। जो विनम्र और सच्चे हैं उनपर ईश्वर की दया बनी रहती है परंतु अहंकारी और दंभी पर अधिक देर तक टिक नहीं पाती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कुरीति पर विजय

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा दी गई यह जानकारी कि 'कछार जिले के चार गांवों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया गया है', इस कुरीति के खिलाफ राज्य सरकार के प्रयासों का परिणाम है। बहुत लोगों को यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि आज भी बाल विवाह होते हैं! कानूनी सख्ती और शिक्षा के प्रसार के कारण बाल विवाह के मामलों में भारी कमी आई है, लेकिन कुछ इलाकों में चोरी-छिपे बाल विवाह कर दिए जाते हैं। ऐसे 'विवाहों' के पक्ष में कुछ लोगों ने कई कुतर्क गढ़ रखे हैं। उन्हें लगता है कि यह तो किसी व्यक्ति या परिवार का मामला है, लिहाजा सरकारों को कोई हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। वास्तव में यह न तो किसी का निजी और न ही पारिवारिक मामला है। यह तो उन मासूम बालक-बालिकाओं के साथ ज्यादती है, जो कथित परंपरा के नाम पर ब्याह दिए जाते हैं। हिमंत बिस्वा सरमा ने असम में बाल विवाह के खिलाफ डटकर मोर्चा खोल रखा है। इससे उन लोगों में भय है, जो बाल विवाह कराते हैं। हालांकि असम सरकार की सख्ती की आलोचना हुई है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि अगर सिर्फ समझाइश का सहारा लिया जाता तो क्या बाल विवाह रुक सकते थे? इस कुरीति के खिलाफ सरकार को सख्त कदम उठाने ही चाहिएं। बाल विवाह रुकवाने में समाज की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रशासन को इसकी सूचना देने वाले लोग प्रशंसा के पात्र हैं। अगर उन्होंने समय रहते सतर्कता नहीं दिखाई होती तो कितनी ही बालिकाओं का बचपन उजड़ जाता। स्पष्ट है कि समाज में काफी जागरूकता आई है। अब लोग ऐसी कुप्रथाओं के खिलाफ खड़े हो रहे हैं। प्राय: बाल विवाह के समर्थन में कुछ लोग यह कहते मिल जाते हैं कि 'हमारे दादा-दादी, परदादा-परदादी का बाल विवाह हुआ था ... उनका दांपत्य जीवन बहुत खुशहाल रहा ... यह प्रथा तो भारत में सदियों से चलती रही है, अब इसमें क्या बुराई है?'

ऐसी बातें कहकर बाल विवाह को महिमा-मंडित करने वाले लोग भूल जाते हैं कि वह ज़माना और था, यह ज़माना और है। तब पढ़ाई-लिखाई, परीक्षा, रोजगार, दैनिक खर्चों की स्थिति और थी, आज कुछ और है। यह भी देखें कि चालीस के दशक में मातृ मृत्यु दर कितनी थी? कितनी ही माताएं (जो स्वयं बच्चियां होती थीं) संतान को जन्म देते समय या उसके बाद उत्पन्न होने वाली जटिलताओं के कारण दम तोड़ देती थीं। इसके प्रमुख कारणों में बाल विवाह एक कारण था। इस पर आज कितने लोग बात करते हैं? बाल विवाह से दूरी और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के कारण माताओं का स्वास्थ्य अच्छा हुआ है, प्रसव संबंधी जटिलताओं का बहुत बढ़िया इलाज हुआ है, जिससे मातृ मृत्यु दर में कमी आई है। ये बदलाव इतने धीरे-धीरे आते हैं कि कई लोगों का इनकी ओर ध्यान ही नहीं जाता या बहुत देर से जाता है। आज बालिकाएं आगे आकर बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठा रही हैं। मोबाइल फोन जैसी सुविधाओं ने प्रशासन से संपर्क का रास्ता आसान कर दिया है। ऐसे मुद्दों को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने से बड़ा बदलाव आया है। फिर भी किसी रूढ़िवादी परिवार में बाल विवाह होता है तो बालिकाएं स्वयं ही प्रशासन को सूचित कर देती हैं। ऐसे मामले सामने आए हैं, जब वे अपने बाल विवाह को निरस्त करवाने के लिए न्यायालय गईं और उन्हें इस कार्य में सफलता मिली। आज सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में बाल विवाह को लेकर जागरूकता है। हमारे महान समाज सुधारकों द्वारा जलाई गई जागरूकता की ज्योति और सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से बाल विवाह पर काफी काबू पा लिया गया है। जो व्यक्ति इस कुरीति से थोड़ा भी लगाव रखता है, उसके मन में भय जरूर रहता है कि अगर प्रशासन को भनक लग गई तो खैर नहीं है! शिक्षित परिवार स्वयं ही इस बुराई से दूर हो गए हैं। इसके बावजूद मीडिया, समाज और प्रशासन को सतर्क रहना चाहिए। समाज सुधारकों ने जो संघर्ष किया था, उसे पूरी तरह सफल बनाने के लिए जरूरी है कि देश में एक भी बाल विवाह न होने दिया जाए।

ट्वीटर टॉक

सभी देशवासियों को नव वर्ष - 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं। नूतन वर्ष आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और नैरोग्य का संचार करे। आइए, हम सब संविधान के प्रति निष्ठावान रहने, अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन करन के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लें।

-ओम बिरला

आज जयपुर में प्रथम पूज्य श्री मोती डूँगरी गणेश जी महाराज के पावन दर्शन पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री गणेश जी की असीम कृपा से समस्त प्रदेशवासियों का जीवन सुख, समृद्धि और खुशहाली से परिपूर्ण हो, मेरी यही प्रार्थना है।

-भजनलाल शर्मा

सुख, समृद्धि, सफलता, स्वास्थ्य, सम्मान, शांति और संपन्नता की मंगलकामनाओं के साथ आपको नववर्ष की अनंत शुभकामनाएं। नूतन वर्ष 2025 में आपके जीवन का हर क्षण असीम आनंद और प्रसन्नता से भरा रहे, ऐसी कामना करती हूँ!

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

रचनात्मकता का प्रतिफल

एक कलाकार माटी, जल, फूलों के रस और रंग को मिलाकर कुछ प्रयोग कर रहा था। इनसे वह एक कलाकृति का सृजन कर रहा था। आते-जाते लोग पूछ बैठे, 'कहो कलाकार, कितना कमा लेते हो?' जवाब में कलाकार ने एक खूबसूरत बात कही कि, 'भिखारी को तुरंत पैसा चाहिए, मजदूर को दिन के अंत में पैसा चाहिए, नौकर को महीने के अंत में पैसा चाहिए। व्यापारी अपने साल भर का हिसाब बनाता है, कितना लगाया, कितना कमाया। लेकिन सबसे सार्थक वह व्यक्ति है जो मेरे जैसा कलाकार है। जो रचनात्मक है, जो कुछ पैदा करता है या बनाता है। यानी वह व्यक्ति जो एक विचार को रखता है। यह विशुद्ध और वास्तविक विचार न सिर्फ उसे कालांतर में धन-संपत्ति से परिपूर्ण कर देता है बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों के लिए रोजगार की संभावनाएं भी पैदा कर देता है।'

सामयिक

नव वर्ष पर विकसित भारत बनाने का लें संकल्प

डॉ सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 9466526148

हमने कई मौकों पर अपने सपने को टूटते हुए देखा है लेकिन फिर भी हम हर मुसीबत की स्थिति से मजबूत और आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। स्वराज के महत्व को समझना चाहिए और इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से शुरुआत करनी चाहिए ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को भी बेहतर भविष्य प्रदान कर सकें। मैं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के बेहतरीन उद्धरणों पर समाप्त करना चाहता हूं सपने वह नहीं हैं जो आप नींद में देखते हैं, बल्कि वह हैं जो आपको सोने नहीं देते।

आधी रात को, जब दुनिया सोती है, भारत जीवन और स्वतंत्रता के लिए जागेगा। जवाहरलाल नेहरू का यह ट्रिस्ट विद डेस्टिनी भाषण उस सपने का प्रतीक था जिसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने पूरा किया था। इसने हमें, भारत के लोगों द्वारा पालन किए जाने वाले अगले सपने का विजन भी दिया। भारत के बारे में गांधी का दृष्टिकोण हमारे देश के आत्मनिर्भर विकास के लिए घरेलू औद्योगीकरण को बढ़ावा देना था। उनका विचार था कि ग्रामीण भारत भारत के विकास की रीढ़ है। यदि भारत को विकास करना है, तो ग्रामीण क्षेत्र का भी समान विकास होना चाहिए। वह यह भी चाहते थे कि भारत गरीबी, बेरोजगारी, जाति, रंग पंथ, धर्म के आधार पर भेदभाव जैसी सभी सामाजिक बुराइयों से मुक्त हो, और सबसे महत्वपूर्ण रूप से निचली जातियों (दलितों) के खिलाफ अस्पृश्यता को समाप्त करे जिन्हें वह 'हरिजन' कहते हैं।

ये दर्शन भारत के तत्कालीन समाज के सामाजिक स्तर को दर्शाते हैं। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद भी हम अभी भी इन सामाजिक मुद्दों को भारत में कायम पाते हैं। हमारे संविधान की प्रस्तावना भारत को संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणतंत्र देश के रूप में निर्दिष्ट करती है। आइए देखें कि इस परिभाषा को सच करने के लिए हमने भारत के नागरिक के रूप में अपने सपने को कैसे पूरा किया है। 100 वर्षों के स्वतंत्रता संग्राम के बाद हम इस सपने को साकार करने में सक्षम हुए हैं। शीत युद्ध के दौर में भी जब दो महाशक्तियां अमेरिका और सोवियत संघ एक-दूसरे का मुकाबला करने के लिए गठबंधन बना रहे थे, हमने अपनी संप्रभुता को बनाए रखने के लिए किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होने के लिए गुटनिरपेक्षता का विकल्प चुना। यद्यपि संयुक्त राष्ट्र द्वारा उपनिवेशवाद पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन नव-उपनिवेशीकरण के समान अंतरराष्ट्रीय दुनिया में अपनी जड़ें जमा रहा है।

नव उपनिवेशीकरण को अन्य राज्यों द्वारा राज्यों की नीतियों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण के रूप में परिभाषित किया गया है। हाल ही में हमने भारत और अन्य अविकसित देशों जैसे अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों को पेश करने और विकसित देशों से कृषि आयात के लिए बाजार को उदार बनाने के लिए दबाव देखा है। जीएम बीज कृषि का निजीकरण करते हैं और इस प्रकार मिट्टी की गुणवत्ता के साथ-साथ भारत के किसानों की सामाजिक स्थिति के लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा करते हैं। भारतीय मिट्टी के अनुकूल बीजों के विकास में अनुसंधान पर अमेरिका द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को लगातार निशाना बनाया गया है।

भारत की संप्रभुता के लिए खतरे का अन्य उदाहरण वैश्विक आतंकवाद के माध्यम से है। भारत 26/11 और पठानकोट में उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले का गवाह रहा है। बोडोलैंड की मांग के लिए असम अलगाववादी आंदोलन से भारत नक्सलियों और पूर्वोत्तर में उग्रवादियों से उग्रवादी गतिविधियों का भी सामना करता है। इन गतिविधियों से निर्दोष जीवन की हानि होती है और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है जिससे देश के विकास में बाधा उत्पन्न होती है। इस सपने को जिंदा रखने के लिए हमें इन गतिविधियों के खिलाफ एकता दिखानी होगी। इंटरनेट पर एकाधिकार करने के लिए फेसबुक के खिलाफ भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के फैसले का उदाहरण भारत के लोगों द्वारा मजबूत सर्वसम्मत अस्वीकृति के कारण था। हमारे पहले प्रधान मंत्री देश की योजना और विकास में सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका के विचार के थे। उद्योगों का उदारीकरण 1991 के बाद ही हुआ, लाइसेंस राज खत्म हुआ। हाल ही में हमने भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के माध्यम से धन का प्रवाह देखा। अगर हम करीब से देखें तो हमने भारत के अधिकतम क्षेत्रों में 1007 एफडीआई नहीं खोला है। बाजार का निजीकरण निस्संदेह गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के साथ समाज में सर्वश्रेष्ठ प्रतिस्पर्धा प्रदान करता है। लेकिन अगर हम इसे अपनाते हैं, तो बाजार में केवल उन्हीं उत्पादों की आपूर्ति होगी जिनकी मांग है और जिससे वे अन्य आवश्यक आपूर्तियों की उपेक्षा करते हुए लाभ कमा सकते हैं। साथ ही समाजवादी समाज का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के लिए समान परिणाम प्राप्त करना, नौकरियों में समान अवसर प्रदान करना, न्यूनतम मजदूरी प्रदान करना और भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को प्रदान करना है। वर्तमान में भारत गरीबी, अस्वस्थता, बेरोजगारी, भेदभाव के कारण दुर्व्यवहार, खराब शिक्षा आदि के कारण जागरूकता की कमी आदि से पीड़ित वंचितों की सबसे बड़ी संख्या वाला देश है। इन सामाजिक मुद्दों पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय रूप से संगठनों का गठन करते हुए हमें भारत के नागरिक के रूप में सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों को ईमानदारी से लागू करने में सक्रिय होना चाहिए।

भारत अनेकता में अपनी एकता पाता है। आजादी के बाद हुए साम्प्रदायिक दंगों के बाद भारत को यह बात समझ में आ गई कि किसी भी धर्म का पक्ष लेने से भारत को लंबे समय तक नुकसान उठाना पड़ता है। लेकिन आज भी हम समाज में धार्मिक घृणा पाते हैं। इतने सालों में हमने 1984 के सिख दंगों, 2002 के गोधरा कांड, 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों, बाबरी मस्जिद के विध्वंस और कई अन्य के रूप में सांप्रदायिक दंगे देखे हैं। धार्मिक राजनीति ने भारतीय राजनीति में अपनी जड़ें जमा ली हैं। बीफ खाने पर हालिया प्रतिबंध और 'घर वापसी', 'लव जेहाद' आदि जैसे आंदोलन धर्मनिरपेक्षता के मूल मूल्यों के खिलाफ हैं। धर्म के नाम पर कही गई बातों पर आंख मूंदकर विश्वास न करने, विवेक का पालन करने के लिए जागरूकता फैलानी चाहिए। हम इस सपने तक पहुँचने से बहुत दूर हैं लेकिन हमें हार नहीं माननी चाहिए। समाज को इन धार्मिक संस्थाओं द्वारा लगाए गए अतार्किक कटौती का विरोध करना चाहिए। इस संबंध में हम देख सकते हैं कि लोकतंत्र ने भारतीय समाज में अपनी जड़ें जमा ली हैं। संघों का सक्रिय गठन, चुनाव प्रक्रियाओं में भागीदारी में वृद्धि, विवादित परिदृश्यों का शांतिपूर्ण समाधान देश के दूर-दराज के हिस्सों में भी सक्रिय रूप से देखा जाता है।

असहिष्णुता को लेकर हाल के परिदृश्य ने एक बार फिर हमारे लोकतांत्रिक विश्वास की अटकलों को हवा दे दी है। हम लगातार ऐसी स्थिति देखते रहे हैं जहां हम पाते हैं कि लेखक के विचारों के लेखन के खिलाफ धर्म द्वारा फतवा जारी किया जाता है। फेसबुक पर पोस्ट के कारण लोगों को जेल में डाला जा रहा है। साथ ही हम अपने देश में जाति आधारित राजनीति, धर्म आधारित राजनीति देखते हैं। राष्ट्रीय दल लोकतंत्र का कुरूप चेहरा दिखाते हुए लगातार गंदी राजनीति कर रहे हैं। लोकतंत्र वह शक्ति है जो लंबे ऐतिहासिक संघर्ष के बाद मिली है। हमें समाज की अज्ञानता को स्वतंत्रता के रूप में हमें मिले सर्वोत्तम उपहार को छीनने नहीं देना चाहिए। गणतंत्र भारत के नागरिक के रूप में हम अपने संविधान में सर्वोच्चता मानते हैं। 1976 के आपातकाल के समय हमारे संविधान को चुनौती का सामना करना पड़ा। प्राधिकरण द्वारा उनके व्यक्तिगत भविष्य के हित के लिए इसमें बड़े पैमाने पर संशोधन किया गया है। लेकिन जल्द ही सरकार ने देश के नागरिकों के कड़े विरोध को देखा और संविधान में निहित शक्ति को महसूस किया।

इतने सालों के बाद हमने 105 बार संविधान में संशोधन किया है। प्राधिकारियों में निहित कई शक्तियों की फिर से जाँच की गई है और शासन के कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं, उदाहरण के लिए पंचायती राज आदि। न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और स्वतंत्र निकायों में निहित संतुलित शक्ति ने नागरिकों को प्रभावी ढंग से शासन में योगदान करने में मदद की है। संविधान द्वारा प्रदत्त न्याय की इस भावना को कभी नहीं भूलना चाहिए। इस मशीनरी के प्रभावी ढंग से प्रसंस्करण में विश्वास रखना चाहिए। हमने कई मौकों पर अपने सपने को टूटते हुए देखा है लेकिन फिर भी हम हर मुसीबत की स्थिति से मजबूत और आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। स्वराज के महत्व को समझना चाहिए और इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से शुरुआत करनी चाहिए ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को भी बेहतर भविष्य प्रदान कर सकें। मैं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के बेहतरीन उद्धरणों पर समाप्त करना चाहता हूं सपने वह नहीं हैं जो आप नींद में देखते हैं, बल्कि वह हैं जो आपको सोने नहीं देते।

नजरिया

धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व का प्रतीक प्रयागराज महाकुम्भ

अशोक प्रवृद्ध

मोबाइल : 7631057837

तीर्थराज प्रयाग पवित्र स्थलों में सबसे ऊपर माना जाता है। पवित्रता के प्रतीक के रूप में मान्यता प्राप्त गंगा नदी को पुण्यदायिनी कहा जाता है। पुण्य व धार्मिकता की दाता गंगा भक्ति की प्रतीकात्मक यमुना नदी से मिलती है, जिनसे अश्य स्वरूपिनी ज्ञान की प्रतीक सरस्वती मिलती है। तीर्थराज प्रयाग की त्रिवेणी के कुम्भ को शक्तिशाली कहा गया है। मान्यतानुसार पृथ्वी के विशालतम मानव समागम के कुम्भ मेला में स्नान, दान और दर्शन से मनुष्य को जीवन के अनंत चक्र से मुक्ति मिल जाती है।

भारत में पवित्र नदियों के किनारे अवस्थित चार स्थानों - हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में कुम्भ (कुंभ) मेला का पवित्र आयोजन सदियों से होता रहा है। खगोलीय गणनानुसार यह मेला मकर संक्रान्ति के दिन प्रारंभ होता है, जब सूर्य और चंद्रमा वृश्चिक राशि में और वृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। यह समय आंतरिक रूप से आध्यात्मिक स्वच्छता और आत्मज्ञान के लिए शुभ अवधि का संकेत माना जाता है। हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में से प्रत्येक स्थान पर प्रत्येक 12 वें वर्ष तथा प्रयाग में दो कुम्भ पर्वों के बीच छह वर्ष के अंतराल में अर्द्धकुम्भ का आयोजन भी होता है। भारतीय संस्कृति में प्रयागराज में अवस्थित गंगा, यमुना और पौराणिक गुप्त सरस्वती के संगम स्थल को अत्यंत पवित्र, धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व का प्रतीक माना जाता रहा है। कुम्भ मेले के अवसर पर इस संगम स्थल में आयोजित होने वाले कुम्भ पर्व में करोड़ों श्रद्धालु एकत्र होते हैं और नदी में स्नान करते हैं, धार्मिक आयोजनों व आध्यात्मिक प्रवचनों में भाग लेते हैं। वर्ष 2013 का कुम्भ प्रयाग में हुआ था। फिर 2019 में प्रयाग में अर्द्धकुम्भ मेले का आयोजन हुआ था। अब 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयाग में महाकुम्भ का आयोजन होगा। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारी की गई है। ऐतिहासिक विवरणियों के अनुसार भारत में कुम्भ मेले की जड़ें सहस्त्राब्दियों वर्ष पुरानी हैं, जिसका प्रारंभिक उल्लेख वैदिक, पौराणिक ग्रंथों तथा चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से छठी शताब्दी ईस्वी में भारत के शासक रहे मौर्य और गुप्त काल के दौरान मिलता है। इसमें पूरे भारतीय उपमहाद्वीप से तीर्थयात्री आते थे। गुप्तकाल के शासकों ने प्रतिष्ठित धार्मिक मंडली के रूप में इसकी स्थिति को और अधिक महत्व प्रदान किया। मध्य काल में कुम्भ मेले को विभिन्न शाही राजवंशों से संरक्षण प्राप्त हुआ, जिनमें दक्षिण में चोल और विजयनगर साम्राज्य, उत्तर में दिल्ली सल्तनत, राजपूत व मुगल मुगल शासकों का संरक्षण मिला। कहा जाता है कि अकबर ने भी धार्मिक सहिष्णुता की भावना को दर्शाते हुए कुम्भ समारोहों में भाग लिया था। ब्रिटिश प्रशासकों ने इस उत्सव को देखकर इसके विशाल पैमाने और इसमें आने वाले लोगों के विविध सभाओं में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं वृहत संख्या को देख आश्चर्यचकित होकर इसका दस्तावेजीकरण किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद आवागमन के साधनों के विकसित होने से महाकुम्भ मेले को और भी अधिक महत्व प्राप्त हुआ, जो राष्ट्रीय एकता और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यूनेस्को द्वारा 2017 में कुम्भ को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्राप्त है।

कुम्भ का शाब्दिक अर्थ घड़ा, सुराही, बर्तन है। पौराणिक ग्रंथों में इसका वर्णन जल अथवा अमरता अर्थात अमृत के लिए किया गया है। मेला शब्द का अर्थ है- किसी एक स्थान पर मिलना, एक साथ चलना, सभा में अथवा फिर विशेष रूप से सामुदायिक उत्सव में उपस्थित होना। इस प्रकार, कुम्भ मेले का अर्थ है -अमरत्व का मेला। ज्योतिष व खगोलीय गणनाओं के अनुसार कुम्भ मेला मकर संक्रान्ति के दिन प्रारंभ होता है, जब सूर्य और चन्द्रमा, वृश्चिक राशि में और वृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। मकर संक्रान्ति के होने वाले इस योग को कुम्भ स्नानयोग कहते हैं और इस दिन को विशेष मंगलकारी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुलते हैं और इस प्रकार इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति सहजता से हो जाती है। यहाँ स्नान करना साक्षात स्वर्ग दर्शन माना जाता है। भारतीय संस्कृति व हिन्दू धर्म में कुम्भ का अत्यधिक महत्व माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं व ज्योतिषिय गणनानुसार कुम्भ का असाधारण महत्व बृहस्पति के कुम्भ राशि में प्रवेश तथा सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ जुड़ा है। ग्रहों की स्थिति हरिद्वार से बहती गंगा के किनारे पर स्थित हर की पौड़ी स्थान पर गंगा जल को औषधिकृत करती है तथा उन दिनों यह अमृतमय हो जाती है। यही कारण है कि अपनी अंतरात्मा की शुद्धि हेतु पवित्र स्नान करने लाखों श्रद्धालु यहाँ आते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से अर्ध कुम्भ के काल में ग्रहों की स्थिति एकाग्रता तथा ध्यान साधना के लिए उत्कृष्ट होती है। यही कारण है कि ऐसे अवसरों पर यहाँ अर्ध कुम्भ तथा कुम्भ मेले के लिए आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों की संख्या सर्वाधिक होती है।

कुम्भ पर्वायोजन को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें से एक सर्वाधिक मान्य कथा देवता व दानवों के सामूहिक प्रयत्न से संपादित समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत कुम्भ से अमृत बूँदें गिरने से संबंधित है। इस पौराणिक कथा के अनुसार महर्षि दुर्वासा के शाप के कारण इन्द्र और अन्य देवता श्रीहीन हो गए। देवताओं के कमजोर हो जाने पर दैत्यों ने देवताओं पर आक्रमण कर उन्हें परास्त कर दिया। तब सब देवता मिलकर भगवान विष्णु के पास गए और उन्हें सारा वृतान्त सुनाया। तब भगवान विष्णु ने उन्हे दैत्यों के साथ मिलकर क्षीरसागर का मंथन करके अमृत निकालने की सलाह दी। भगवान विष्णु के सलाह पर सभी देवता दैत्यों के साथ सन्धि करके अमृत निकालने के यत्न में लग गए। उनके अथक प्रयास से उन्हें अमृत कलश प्राप्त हुआ, लेकिन अमृत कुम्भ के निकलते ही देवताओं के इशारे से इन्द्रपुत्र जयन्त अमृतकलश को लेकर आकाश में उड़ गया। उसके बाद दैत्यगुरु शुक्राचार्य के आदेशानुसार दैत्यों ने अमृत को वापस लेने के लिए जयन्त का पीछा किया। घोर परिश्रम के बाद दैत्यों ने बीच रास्ते में ही जयन्त को पकड़ लिया। तत्पश्चात अमृत कलश पर अधिकार जमाने के लिए देवता व दानवों में बारह दिन तक अविराम युद्ध होता रहा। इस परस्पर संघर्ष के दौरान पृथ्वी के चार स्थानों -प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक में जयन्त ने कलश को रखा जहां कलश से अमृत की बूंदें छलक कर गिर पड़ीं। उस समय चंद्रमा ने घट से प्रस्रवण होने से, सूर्य ने घट फूटने से, गुरु ने दैत्यों के अपहरण से एवं शनि ने देवेन्द्र के भय से घट की रक्षा की। कलह शान्त करने के लिए भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर यथाधिकार सबको अमृत बाँटकर पिला दिया। इस प्रकार देव-दानव युद्ध का अन्त किया गया। कथा के अनुसार अमृत प्राप्ति के लिए देव-दानवों में परस्पर बारह दिन तक निरंतर युद्ध हुआ था। देवताओं के बारह दिन मनुष्यों के बारह वर्ष के तुल्य होते हैं। इसलिए कुम्भ भी बारह होते हैं। उनमें से चार कुम्भ पृथ्वी पर होते हैं और शेष आठ कुम्भ देवलोक में होते हैं, जिन्हें देवगण ही प्राप्त कर सकते हैं, मनुष्यों की वहाँ पहुँच नहीं है। जिस समय में चन्द्रादिकों ने कलश की रक्षा की थी, उस समय की वर्तमान राशियों पर रक्षा करने वाले चंद्र-सूर्यादिक ग्रह जब आते हैं, उस समय कुम्भ का योग होता है अर्थात जिस वर्ष जिस राशि पर सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति का संयोग होता है, उसी वर्ष, उसी राशि के योग में, जहाँ-जहाँ अमृत बूँद गिरी थी, वहाँ-वहाँ कुम्भ पर्व का आयोजन होता है। पृथ्वी पर होने वाले चार कुम्भ हैं- प्रथम उत्तराखंड की गंगा नदी पर हरिद्वार में, द्वितीय मध्यप्रदेश की शिप्रा नदी पर उज्जैन में, तृतीय महाराष्ट्र की गोदावरी नदी पर नासिक में और चतुर्थ उत्तर प्रदेश की गंगा यमुना और गुप्त सरस्वती नदियों के संगम पर। तीर्थराज प्रयाग पवित्र स्थलों में सबसे ऊपर माना जाता है। पवित्रता के प्रतीक के रूप में मान्यता प्राप्त गंगा नदी को पुण्यदायिनी कहा जाता है। पुण्य व धार्मिकता की दाता गंगा भक्ति की प्रतीकात्मक यमुना नदी से मिलती है, जिनसे अदृश्य स्वरूपिनी ज्ञान की प्रतीक सरस्वती मिलती है। तीर्थराज प्रयाग की त्रिवेणी के कुम्भ को शक्तिशाली कहा गया है। मान्यतानुसार पृथ्वी के विशालतम मानव समागम के कुम्भ मेला में स्नान, दान और दर्शन से मनुष्य को जीवन के अनंत चक्र से मुक्ति मिल जाती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार प्रत्येक बारह वर्ष में मानव मोक्ष के द्वार खुलते हैं। 2025 में वृहस्पति मेष राशि में और सूर्य, चंद्र मकर राशि पर अमावस्या तिथि पर आने के कारण उस समय प्रयागराज में कुम्भ का योग बनेगा। और प्रयागराज के गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम तट पर कुम्भ मेला आयोजित होगा। लाखों लोगों के द्वारा शांति पूर्ण ढंग से भागीदारी निभाने से सम्पन्न होने वाला यह रहस्यमय मेला कुम्भ कोई संगठित आयोजन नहीं, बल्कि एक स्वतः स्फूर्त, आंतरिक, प्राचीन और निरंतर घटना है। यह भारतीय उप-महाद्वीप का धार्मिक, सांस्कृतिक, पौराणिक और आर्थिक महत्व का विशालतम आयोजन है। इस आयोजन में मानव धार्मिक तीर्थ- आध्यात्मिक दर्शन करते हुए स्नान-दान, जीवन-मृत्यु के साथ मोक्ष को साक्षात साकार कर अपने को धन्य महसूस करता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दुनिया भर में लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर, खुशियां मनाकर नए साल का स्वागत किया

वेलिंगटन/एपी। सिडनी से लेकर मुंबई और नैरोबी तक दुनिया भर में लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर, बर्फबारी का आनंद लेकर और रोशनी से जगमग माहौल में 2025 का स्वागत किया। न्यूजीलैंड का शहर ऑकलैंड नए साल का जश्न मनाने वाला पहला प्रमुख शहर बन गया, जहां हजारों लोग शहर के मुख्य भाग में उमड़ पड़े और आतिशबाजी की।

दक्षिण प्रशांत महासागर के देशों में सबसे पहले नए साल का स्वागत हुआ। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में बॉल ड्रॉप' (टाइम्स स्क्वायर की छत पर लगे बॉल के गिरने) से ङ्कङ्क18 घंटे पहले न्यूजीलैंड में नए साल का स्वागत हुआ। पश्चिम एशिया, सूडान और यूक्रेन जैसे स्थानों में संघर्ष के कारण 2025 के स्वागत का जश्न फीका रहा। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी हार्बर ब्रिज से लेकर खाड़ी के पार तक आतिशबाजी की धूम रही। इस जश्न के लिए दस लाख से ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई और अन्य लोग प्रतिष्ठित सिडनी हार्बर पर एकत्र हुए। ब्रिटिश पॉप स्टार रॉबी विलियम्स ने भीड़ के साथ मिलकर गाना गाया।

जापान नए साल की छुट्टियों के दौरान जश्न में डूबा रहा और लोगों ने मंदिरों एवं घरों को सजाया। दक्षिण कोरिया में रविवार को मुआन में जेजू एयर विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद राष्ट्रीय शोक की अवधि के दौरान नए साल का जश्न फीका रहा या ऐसे कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। इस दुर्घटना में 179 लोग मारे गए थे। थाईलैंड के बैंकॉक में कई शॉपिंग मॉल में संगीत और आतिशबाजी के कार्यक्रमों के साथ भीड़ को आकर्षित करने की होड़ मची दिखी। इंडोनेशिया के जकार्ता में आतिशबाजी के प्रदर्शन में 800 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। चीन की सरकारी मीडिया ने राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच नववर्ष की शुभकामनाओं के आदान-प्रदान को कवर किया, जो पश्चिमी देशों के साथ तनाव का सामना कर रहे दोनों नेताओं के बीच बढ़ती निकटता की याद दिलाता है। आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ' के अनुसार, शी ने पुतिन से कहा कि दोनों देश हमेशा मित्रता के साथ आगे बढ़ेंगे। चीन ने 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से उसके साथ संबंध बनाए रखा है और व्यापार को मजबूत किया है, जिससे पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों और पुतिन को अलग-थलग करने के प्रयासों को विफल करने में मदद मिली है।

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में हजारों लोग अरब सागर के तट पर पहुंचे। श्रीलंका में लोग बौद्ध मंदिरों में दीये और अगरबत्ती जलाकर प्रार्थना करने के लिए एकत्रित हुए। दुबई में, हजारों लोग दुनिया की सबसे ऊंची गगनचुंबी इमारत बुर्ज खलीफा में आतिशबाजी के कार्यक्रम में शामिल हुए। और केन्या के नैरोबी में भी आतिशबाजी की गई। रोम में पारंपरिक नववर्ष की पूर्व संध्या का उत्सव एक अतिरिक्त आकर्षण होता है जहां हर 25 साल में पोप फ्रांसिस होली ईयर' मनाया जाता है। एक अनुमान के मुताबिक 2025 में लगभग 3.2 करोड़ श्रद्धालुओं के रोम पहुंचने की उम्मीद है। फ्रांसिस ने मंगलवार को सेंट पीटर बेसिलिका में शाम की प्रार्थना की। बुधवार को प्रार्थना के दौरान उनके एक बार फिर यूक्रेन और पश्चिम एशिया में शांति की अपील करने की उम्मीद है। पेरिस ने अपने 'पारंपरिक काउंटडाउन' (नए साल की शुरुआत के लिए उल्टी गिनती) और चैंप्स-एलिसीज पर आतिशबाजी के साथ 2024 को विदा करते हुए नए साल की शुरुआत को यादगार बना दिया।

पेरिस के प्रतीकात्मक आर्क डी ट्रायम्फ स्मारक को लाइट शो के लिए एक विशाल झांकी में बदल दिया गया और शहर के ऐतिहासिक स्थलों पर लोग नए साल के जश्न में डूबे दिखे। लंदन में टेम्स नदी के किनारे आतिशबाजी का प्रदर्शन कर नए साल का जश्न मनाया गया। हालांकि, ब्रिटेन के अन्य हिस्सों में तूफान के कारण मौसम खराब रहा, जिसके कारण स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में जश्न रद्द कर दिया गया। लेकिन स्विटजरलैंड और कुछ अन्य स्थानों पर लोग ठंड की परवाह नहीं करते हुए पानी में कूद पड़े। रियो डी जेनेरियो में कोपाकबाना बीच पर ब्राजील का मुख्य नववर्ष समारोह मनाया गया, जिसमें 12 मिनट तक लगातार आतिशबाजी की गई।

भारत ने पाकिस्तान से उसकी हिरासत में बंद भारतीय कैदियों की रिहाई में तेजी लाने को कहा

नई दिल्ली/भाषा

भारत ने बुधवार को पाकिस्तान से आग्रह किया कि वह 183 भारतीय मछुआरों और असैन्य कैदियों की जेल की सजा पूरी होने के मद्देनजर उनकी रिहाई और स्वदेश वापसी के काम में तेजी लाए।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान से उसकी हिरासत में बंद उन 18 असैन्य कैदियों और मछुआरों को तत्काल राजनयिक पहुंच उपलब्ध कराने को कहा गया है, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे भारतीय हैं।

भारत ने यह अनुरोध दोनों देशों द्वारा असैन्य कैदियों और मछुआरों की सूचियों के आदान-प्रदान के संदर्भ में किया है। वर्ष 2008 के समझौते के तहत हर वर्ष की पहली जनवरी और पहली जुलाई को इन सूचियों का आदान-प्रदान किया जाता है।

भारत ने अपनी हिरासत में बंद उन 381 असैन्य कैदियों और 81 मछुआरों के नाम साझा किए हैं, जो पाकिस्तानी हैं या जिन्हें पाकिस्तानी माना जाता है। विदेश मंत्रालय के अनुसार इसी तरह पाकिस्तान ने अपनी हिरासत में बंद उन 49 असैन्य कैदियों और 217 मछुआरों के नाम साझा किए हैं, जो भारतीय हैं या जिन्हें भारतीय माना जाता है। इसने कहा, भारत सरकार ने पाकिस्तान की हिरासत में बंद असैन्य कैदियों, मछुआरों और लापता भारतीय रक्षा कर्मियों की शीघ्र रिहाई और स्वदेश वापसी का आह्वान किया है। मंत्रालय ने कहा, पाकिस्तान से उन 183 भारतीय मछुआरों और असैन्य कैदियों की रिहाई और स्वदेश वापसी के काम में तेजी लाने को कहा गया है, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है।

इसने एक बयान में कहा, इसके अलावा, पाकिस्तान से कहा गया है कि वह उसकी हिरासत में मौजूद 18 असैन्य कैदियों और मछुआरों को तत्काल राजनयिक पहुंच प्रदान करे, जिनके बारे में माना जाता है कि वे भारतीय हैं और उन्हें अब तक राजनयिक पहुंच प्रदान नहीं की गई है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत एक-दूसरे के देश में कैदियों और मछुआरों से संबंधित मामलों समेत सभी मानवीय मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसने कहा, इस संदर्भ में, भारत ने पाकिस्तान से भारत की हिरासत में बंद 76 पाकिस्तानी असैन्य कैदियों और मछुआरों की राष्ट्रीयता सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप 2014 से अब तक 2,639 भारतीय मछुआरों और 71 भारतीय असैन्य कैदियों को पाकिस्तान से वापस लाया गया है।

इसने कहा, इनमें 478 भारतीय मछुआरे और 13 भारतीय असैन्य कैदी शामिल हैं, जिन्हें 2023 से अब तक पाकिस्तान से वापस भेजा गया है।

तृप्ति डिमरी को नए साल में साफ आसमान की चाह

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी को नए साल में साफ आसमान की चाह है। फिनलैंड से तीन घंटे की ड्राइव करके स्वीडन पहुंची, ताकि साफ आसमान मिल सके। फिनलैंड में छुट्टियां मना रही बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बर्फ से ढकी पहाड़ियों के सामने पोज देती एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने लिखा, फिनलैंड से तीन घंटे की ड्राइव करके स्वीडन आई हूं ताकि साफ आसमान मिल सके। तृप्ति डिमरी ब्लैक कलर आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री ने इससे पहले अपनी सर्दियों की छुट्टियों की झलकियां शेयर की थीं, जिसमें उन्होंने बर्फीले वातावरण की सुंदरता और जानवरों के साथ बिताए अपने पलों को कैद किया था। तृप्ति ने लैपलैंड, फिनलैंड से कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिनमें उनकी खिड़की के बाहर बर्फ से ढकी आकर्षक झोपड़ियां और शांति से चरते हुए रेनडियर दिखाई दे रहे थे।

एक वीडियो कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा, बर्फीली फुहारें और मुस्कान। आज का दिन मेरे जीवन के सबसे सुखद अध्यायों में से एक है। वीडियो में अभिनेत्री बर्फबारी का आनंद लेती हुई दिखाई दीं।

उनकी लैपलैंड यात्रा में शांति से बर्फ से ढकी झोपड़ियां और उनकी खिड़की के बाहर घास चरते हुए रेनडियर भी दिखे। अभिनेत्री बर्फीले रोमांच पर निकली हैं और उन्होंने अपनी शानदार छुट्टियों की झलकियां इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। कयासबाजी भी खूब हो रही है। लोग उनके पोस्ट पर ही एक दूजे से पूछ रहे हैं क्या अपने कथित बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट के साथ समय बिता रही हैं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि दोनों ने यात्रा से एक जैसी तस्वीरें पोस्ट कीं। एक वीडियो में तृप्ति डिमरी को बर्फ में चलते हुए देखा गया, जो उनकी रोवानीमी (फिनलैंड) में सर्दियों की छुट्टियों की झलक दिखा रही थी। उन्होंने सैम द्वारा खींचे गए वीडियो के साथ-साथ सेल्फी और फोटो की एक सीरीज भी पोस्ट की। तृप्ति डिमरी को हाल ही में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित के साथ हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया 3 में देखा गया था।

किआ इंडिया की बिक्री 2024 में छह प्रतिशत बढ़कर 2,55,038 इकाई पर

नई दिल्ली/भाषा। वाहन कंपनी किआ इंडिया की कुल बिक्री 2024 में छह प्रतिशत बढ़कर 2,55,038 इकाई रही है। यह कंपनी की अबतक की सर्वाधिक सालाना बिक्री है। किआ इंडिया ने बुधवार को बयान में यह जानकारी दी। वर्ष 2023 में कंपनी ने 2,40,919 वाहनों की बिक्री की थी। किआ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और बिक्री एवं विपणन प्रमुख हरदीप सिंह बरार ने कहा, 2024 किआ इंडिया के लिए एक निर्णायक वर्ष रहा है। वाहनों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने पर हमने विशेष ध्यान दिया। इससे न केवल ग्राहक अपने पसंदीदा किआ मॉडल का आनंद ले पाए बल्कि इससे हमारी भविष्य की वृद्धि की बुनियाद भी मजबूत हुई।

रवीना टंडन ने नए साल पर सलमान खान के साथ गुजारे पुराने पलों को किया याद

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने नए साल की शुरुआत अपनी बेटी राशा और अभिनेता सलमान खान के साथ एक दिल छूने वाली पुरानी याद साझा करते हुए की। अभिनेत्री ने 2025 की शुरुआत को यादगार बनाने के लिए एक सोशल मीडिया पर एक थ्रोबैक तस्वीर को शेयर किया। इस तस्वीर में वह अपनी बेटी राशा और एक्टर सलमान खान के साथ नजर आ रही हैं, जो उनके फैंस को खूब पसंद आई। रवीना ने सलमान के साथ इस खूबसूरत रिश्ते को याद करके नए साल का जश्न मनाया। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, प्यार और हंसी के लिए शुक्रिया। सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं! यह साल और आने वाले साल आपके, मेरे और हमारे सभी बच्चों के लिए प्यार, शांति और खुशी लेकर आएं। ओम शांति शांति शांति। इस पोस्ट में रवीना टंडन के परिवार और प्रियजनों के साथ बिताए गए कुछ खास पल शामिल हैं, जिनमें उनकी बेटी राशा और अन्य परिवार के सदस्य भी नजर आ रहे हैं। कुछ तस्वीरों में रवीना बॉलीवुड के अपने दोस्तों के साथ पोज देती हुई दिख रही हैं, जिनमें दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, सोफी चौधरी, सलमान खान, अरबाज खान, सोहेल खान, मनीष मल्होत्रा और अन्य शामिल हैं। रवीना की बेटी राशा थडानी ने भी 2025 की सुबह की सेल्फी पोस्ट की। राशा ने कैप्शन दिया, मॉर्निंग 2025।

बता दें कि इससे पहले बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने शाहरुख खान संग तस्वीर शेयर कर पुरानी यादों को ताजा किया था। रवीना टंडन ने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरों की एक श्रृंखला पोस्ट की थी, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, 'एक पुरानी तस्वीर और बीते सप्ताह के साथ'। रवीना और शाहरुख ने फिल्म जमाना दीवाना में साथ काम किया है। इस बीच, रवीना टंडन की बेटी राशा अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित फिल्म 'आज़ाद' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। राशा इस फिल्म में अजय देवगन के भांजे अमन देवगन के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म में लोकप्रिय टीवी अभिनेता मोहित मलिक भी खलनायक की भूमिका में दिखेंगे। फिल्म जनवरी 2025 में रिलीज होगी।

पूजा अर्चना

अभिनेता कार्तिक आर्यन ने नए साल के पहले दिन मुंबई में सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा अर्चना की।

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में शिरकत करेंगी निक्की तंबोली और उषा नाडकर्णी

मुंबई/एजेन्सी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के आगामी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में निक्की तंबोली और उषा नाडकर्णी शिरकत करती नजर आयेंगी। इस नए साल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ :अब उन सबकी सीटी बजेगी' के साथ एक रोमांचक कुकिंग प्रतियोगिता लेकर आ रहा है।इस शो में सेलिब्रिटी प्रतियोगियों का एक शानदार समूह है जो अपनी पाक कला क्षमताओं का प्रदर्शन कर और अपनी पाक कला की योग्यता साबित करने के लिए उत्सुक हैं।

इस सीजन की रोमांचक लाइनअप में अभिनेत्री उषा नाडकर्णी और निक्की तंबोली शामिल हैं। अन्य मशहूर हस्तियों के साथ उनकी उपस्थिति पीढ़ियों और पाक शैलियों के बीच टकराव पैदा करती है। निक्की तंबोली एक कुकिंग स्टार बनने के लिए तैयार हैं! वह बहादुर है और प्रतिस्पर्धा करना पसंद करती है, लेकिन इस बार, वह अपने पिता की स्वीकृति पाने के लिए इसमें शामिल हुई है। अपने उत्साह के बारे में बात करते हुए, निक्की ने कहा, मैं हमेशा से ही विद्रोही रही हूँ। मेरा मानना ङ्कङ्कहै कि खुद के प्रति सच्चा होना खुशी का सबसे बड़ा नुस्खा है। मैंने ऐसे विकल्प चुने हैं जो जरूरी नहीं कि मेरे पिता की अपेक्षाओं के अनुरूप हों, लेकिन सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के लिए साइन अप करने से उनके चेहरे पर मुस्कान आ गई है, और इसके लिए मैं आभारी हूँ।मुझे उम्मीद है कि इस अनुभव के माध्यम से, मैं अपने पाक कौशल का प्रदर्शन कर पाऊँगी और अपने परिवार को भी गौरवान्वित कर पाऊँगी। उषा ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, मेरी उम्र में मुझे लगा कि मैंने यह सब कर लिया है, लेकिन जीवन में नए आश्चर्यों को परोसने का एक तरीका है। मुझे हमेशा से खाना बनाना पसंद रहा है, और अब मैं उस जुनून को दुनिया के साथ साझा करने जा रही हूँ। मास्टरशेफ इंडिया में सबसे उम्रदराज प्रतिभागी के रूप में, मैं इन युवाओं को यह दिखाने के लिए तैयार हूं कि अनुभव और ज्ञान युवा ऊर्जा की तरह ही मूल्यवान हो सकते हैं।

'थामा' के सेट से रश्मिका मंदाना ने साझा किया वीडियो

मुंबई/एजेन्सी

'पुष्पा 2' के बाद अभिनेत्री रश्मिका मंदाना एक बार फिर से धमाल मचाने को तैयार हैं। अभिनेत्री ने आयुष्मान खुराना के साथ आगामी फिल्म 'थामा' के सेट से वीडियो साझा कर प्रशंसकों को जानकारी दी। वीडियो को रश्मिका मंदाना ने साझा करते हुए बताया कि दोनों पहली बार फिल्म 'थामा' में साथ काम करने को तैयार हैं। आगामी फिल्म 'थामा' सेट से एक वीडियो साझा करते हुए उन्होंने लिखा, उम्मीद है कि आप थामा-के-दार हॉलिडे मना रहे होंगे। 2025 में मिलते हैं। जानकारी के अनुसार फिल्म हॉरर-कॉमेडी हैं। 'मुंज्या' के निर्देशक आदित्य सरपोतदार इस फिल्म का निर्देशन करने को तैयार हैं। वहीं, दिनेश विजन और अमर कौशिक फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म की कहानी को नीरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फुलारा ने लिखा है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनने को तैयार फिल्म 'थामा' दीपावली 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना के साथ परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अहम भूमिका में हैं। रश्मिका ने हाल ही में एक पोस्ट साझा कर बताया दिसंबर को खास बताया था। 'एनिमल' की पहली सालगिरह पर बताया था कि

दिसंबर का महीना उनके लिए क्यों खास है? रश्मिका मंदाना ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में अपने एक प्रशंसक की रील को शेयर कर लिखा था, दिसंबर वास्तव में मेरे लिए बहुत खास रहा है।

बहुत आभारी हूं। धन्यवाद धन्यवाद धन्यवाद। 'एनिमल' भी पिछले साल 1 दिसंबर को रिलीज हुई थी और इस साल पुष्पा 2 भी पर्दे पर आई। 'पुष्पा 2' बॉक्स ऑफिस पर सुपर डुपर कमाई कर रही है। वहीं, अब अभिनेत्री के पास साजिद नाडियाडवाला के बैनर तले बनी सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' भी है।

फिल्म साल 2025 में ईद पर रिलीज होगी। वो 'द गर्लफ्रेंड' में भी दिखेंगी तो लक्ष्मण उतेकर की ऐतिहासिक ड्रामा 'छावा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में रश्मिका के साथ विक्की कौशल लीड किरदार निभाएंगे।

यश ने अपने प्रशंसकों से सुरक्षा और सावधानी को प्राथमिकता देने की अपील की

मुंबई/एजेन्सी

रॉकिंग स्टार यश ने अपने जन्मदिन से पहले एक भावपूर्ण पत्र में प्रशंसकों से सुरक्षा और सावधानी को प्राथमिकता देने की अपील की है। केजीएफ फ्रैंचाइज़ से वैश्विक स्तर पर स्टार बनने वाले रॉकिंग स्टार यश का अपने प्रशंसकों के साथ हमेशा एक खास रिश्ता रहा है। जैसे-जैसे साल खत्म होने वाला है, यश ने अपने प्रशंसकों से आग्रह किया है कि वे जश्न के दौरान अपनी सुरक्षा और सावधानी को प्राथमिकता दें, खासकर उनके जन्मदिन के दौरान। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें खुशी इस बात से है कि उनके प्रशंसक असाधारण प्रदर्शनों में शामिल होने के बजाय अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं। अपने प्रशंसकों को संबोधित एक भावपूर्ण पत्र में, यश ने प्यार व्यक्त करने के तरीके को बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अतीत में अपने जन्मदिन के जश्न के दौरान हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं पर विचार किया, जिसके परिणामस्वरूप दुखद रूप से लोगों की जान चली गई।

इस साल की शुरुआत में उनके पिछले जन्मदिन (2024) पर कर्नाटक के गडग जिले में उनके तीन प्रशंसकों ने एक बड़ा जन्मदिन कटआउट लगाते समय अपनी जान गंवा दी थी। यश ने तुरंत शोक संतप्त परिवारों से मिलने के लिए यात्रा की थी, समर्थन और संवेदना व्यक्त की थी। इस दुखद घटना के बाद, यश ने अपने प्रशंसकों से बैनर लटकाने, खतरनाक बाइक का पीछा करने और लापरवाह सेल्फी लेने से परहेज करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये कार्य

प्रेम की सच्ची अभिव्यक्ति नहीं थे। मीडिया साक्षात्कार में, यश ने कहा, यदि आप मेरे सच्चे प्रशंसक हैं, तो अपना काम लगन से करें, अपना जीवन खुद को समर्पित करें, और खुश और सफल रहें।

2019 में एक अन्य घटना में, एक प्रशंसक ने अपने जन्मदिन पर यश से मिलने में असमर्थ होने के बाद दुखद रूप से आत्मदाह कर लिया। फिर भी, यश ने अपने प्रशंसकों से अपील की कि इस तरह की हरकतें प्रशंसकों की सच्ची छवि नहीं हैं और उनसे कभी भी इस तरह के कठोर कदम न उठाने की अपील की। ङ्कङ्कइस साल अपने जन्मदिन से पहले, वह अपने प्रशंसकों की सुरक्षा की रक्षा के लिए एक सक्रिय कदम उठा रहे हैं। उन्होंने संयम बरतने की एक ईमानदार अपील की, इस बात पर जोर देते हुए कि उनकी सुरक्षा और भलाई उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा उपहार है।

यश वर्तमान में 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' की शूटिंग कर रहे हैं। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के तहत वेंकट के नारायण और यश द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, आगामी फिल्म ने काफी उत्साह और प्रत्याशा पैदा की है। गीतू मोहनदास निर्देशित, यह महत्वाकांक्षी परियोजना दर्शकों के लिए एक बड़ा मनोरंजन होने का वादा करती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 02-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर की तेरापंथ सभा ट्रस्ट राजाजीनगर द्वारा अशोका कन्वेंशन हॉल, राजाजीनगर में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में वृहद मंगल पाठ का आयोजन किया गया। महिला मंडल द्वारा नव वर्ष के उपलक्ष्य में गीतिका प्रस्तुत की गई।

भाग्य जागृत करने के लिए संयम में पराक्रम करना जरुरी : साध्वीश्री उदितयशा

नववर्ष के उपलक्ष्य में हुआ वृहद मंगलपाठ का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ चेतना केंद्र में तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य मे नववर्ष के उपलक्ष्य में 'गो फ्रोम गुड टू ग्रेट' नामक कार्यक्रम व वृहद मंगलपाठ का आयोजन किया। इस मौके पर साध्वीश्री उदितयशाजी ने अपने सारगर्भित वाणी में कहा कि आज का दिन संकल्प करने का दिन है। दुर्लभ मनुष्य जीवन पाकर हम धन्य है अब हमें संयम में पराक्रम के लिए उठना है, जो उठता है उसका भाग्य भी ऊंचा उठता है और जो सोता है उसका भाग्य भी सो जाता है। जो अपने भाग्य को जगाना चाहता है उन्हें संयम में पराक्रम करना होगा। साध्वी भव्ययशाजी ने न्यू ईयर सेलिब्रेशन में फ्लावर ऑफ हैप्पीनेस पाने के लिए भीतर की

भावनाओं को पूरा करने के लिए आगाज करते हुए अर्हम बनने हेतु ध्यान व अनुप्रेक्षा का प्रयोग करवाया। साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने कहा कि नववर्ष पर हम सभी को मैत्री, सौहार्द, परोपकार व समानता के गुलदस्तों से जीवन को महकाना चाहिए।

साध्वीश्री संगीतप्रभाजी, भव्ययशाजी, शिक्षाप्रभाजी ने भटकती युवा पीढ़ी को आह्वान करते हुए ओजस्वी व उत्साह से भरे गीत का गान किया।

सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए नववर्ष की शुभकामनाएं दी एवं साध्वीश्री के विहार की जानकारी दी। छाजेड़ ने तुलसी महाप्रज्ञ चेतना केंद्र एवं तुलसी महाप्रज्ञ सेवा केंद्र के अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त किया। व्यवस्थापक सुशील सिपानी के कार्य की सराहना की। तुलसी चेतना केंद्र के मंत्री मदन बरमेचा एवं पूर्व सभा अध्यक्ष सुरेश दक ने अपने विचार रखे। साध्वी श्री ने हासन में आगामी मर्यादा महोत्सव करने की घोषणा की।

इस अवसर पर सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, उपाध्यक्ष विनय बैद, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, मंत्री राकेश चोरड़िया महिला मण्डल अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल, मंत्री ज्योति संचेती, टीपीएफ अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा, तुलसी सेवा केंद्र के अध्यक्ष अमित नाहटा, आरआर नगर सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, दासरहल्ली सभा अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत एवं अन्य क्षेत्रों से अनेक श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही।

हीराबाग में नववर्ष पर आयोजित हुआ सामायिक दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हीरा बाग के तत्वावधान में नववर्ष के उपलक्ष्य में जैन स्थानक में उपप्रवर्तिनी महासाध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी और डॉ समृद्धिश्रीजी के सान्निध्य में सामायिक दिवस का आयोजन किया गया। महासाध्वी की निश्रा में श्रद्धालुओं ने आगम, जप, तप, प्रवचन और मंगल पाठ के साथ सामायिक दिवस मनाया गया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष डॉ. भीकमचंद सकलेचा, सचिव अशोक बांठिया सहित लगभग 350 श्रद्धालु उपस्थित थे ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विमोचन

बेंगलूरु के मेवाड़ जैन मित्र मंडल द्वारा प्रकाशित वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया ने किया। इस मौके पर मंडल के अमृत दलाल, प्रवीण दक, गौतम मांडोत, कैलाश दलाल आदि उपस्थित थे।

नववर्ष की शुरुआत शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक शुद्धता के साथ हो : साध्वी सिद्धप्रभा

राजाजीनगर तेरापंथ भवन में हुआ मंगल पाठ व कैलेंडर का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की तेरापंथ सभा ट्रस्ट राजाजीनगर द्वारा अशोका कन्वेंशन हॉल, राजाजीनगर में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में वृहद मंगल पाठ का आयोजन किया गया। महिला मंडल द्वारा नव वर्ष के उपलक्ष्य में गीतिका प्रस्तुत की गई। साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी सभी का स्वागत किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया व महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी ने अपने भाव व्यक्त किए।

नववर्ष के मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि हमें नव वर्ष की शुरुआत शारीरिक और मानसिक स्वस्थता के साथ और भावनात्मक शुद्धि द्वारा करनी चाहिए। विशिष्ट मंत्रोचार द्वारा साध्वीश्री ने संपूर्ण श्रावक समाज को नव वर्ष का आशीर्वाद प्रदान किया।

साध्वीश्री के सान्निध्य में तेरापंथ महासभा के पदाधिकारी प्रकाशचंद लोढा, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत की उपस्थिति में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा नव वर्ष कलेंडर का विमोचन किया गया।

आचार्य तुलसी तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर के संयोजक राजेश देरासरिया ने लैब की विस्तृत जानकारी प्रदान की और नव वर्ष के उपलक्ष्य में चिकित्सक जांच में विशेष छूट का ऐलान किया। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष विमल पितलिया ने किया एवं उपाध्यक्ष मदनलाल बोराणा ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

पगारिया भाईपा परिवार का स्नेह मिलन सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय पगारिया भाईपा परिवार संस्था का स्नेह मिलन एवं साधारण सभा शहर के एक रिसोर्ट में सम्पन्न हुई जिसमें उपस्थित सदस्यों की उपस्थिति में नथमल, रंगराज, पारसमल एवं अरविन्द पगारिया ने कुलदेवी क्षेमकरी माता के चित्र पर माल्यार्पण किया। पन्नालाल, दिलीप, दिनेश पगारिया ने दीप प्रज्वलन किया। अध्यक्ष पारसमल पगारिया ने सभी का स्वागत किया। मंत्री अरविन्द कोठारी ने गत वर्ष की गतिविधियों सहित कुलदेवी क्षेमकरी माता भीनमाल के हवाई यात्रा संघ की जानकारी दी। यात्रा

संघ के मुख्य लाभार्थी सुमतिलाल सिद्धार्थ पगारिया मैसूरु, सहलाभार्थी नथमल,खींवराज, रंगराज पगारिया बेंगलूरु सहित अन्य सहयोगियों के रुप में अन्य सदस्यों ने अपने नाम दिए। इस आयोजन में अनेक मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बैठक में संस्था के हित में अनेक विषयों पर चर्चा हुई और कई निर्णय लिए गए। अरविंद कोठारी ने धन्यवाद दिया।

दया, भलाई, दान, उपकार ही सज्जन की पहचान होते हैं : साध्वीश्री धर्मप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने

कहा कि हम पुरुषार्थ करें तो परमार्थ भी करें। दीन, दुखी गरीब और पीड़ित को देख कर हमारे हृदय में दया, करुणा, अनुकंपा का झरना फूटना चाहिए । उत्तम और परोपकार के कार्य करने वालों की ही स्मृति रहती हैं। वर्ष 2025 के प्रारंभ के अवसर पर आयोजित प्रवचन में धर्मप्रभाजी ने कहा कि ऐसी भागदौड़ व्यर्थ है जो न मन को शांति दे सके और न आत्मा को। दया, भलाई, दान, उपकार ही सज्जन की पहचान बनते हैं। छीन कर लूटने वाले का कभी पेट भरता नहीं और बांटने वाला कभी भूखा रहता नही है। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि मनुष्य जन्म पाकर जिनवाणी श्रवण कर उस पर श्रद्धा करते हुए आचरण करना बहुत दुर्लभ है।

मनुष्य की सौरभ मनुष्यत्व से होती हैं। मानवता प्रधान धर्म है और मानवता से ही धर्म की प्रभावना होती है। श्रावक संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया।

राजस्थान संघ की हल्दी गोठ व स्नेह मिलन में लोगों ने किया नववर्ष का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजस्थान संघ ट्रस्ट कर्नाटक द्वारा लाभार्थियों चैनराज संकलेचा, माणकचंद सज्जनराज बोहरा, मांगीलाल नवकारकुमार नाहटा, पवनकुमार पिंकी भंसाली, मनोहरलाल विमलकुमार कटारिया, उत्तमचंद पदमराज रातड़िया, अशोककुमार राहुलकुमार गजानन, गणपतकुमार महेंद्रकुमार छाजेड़, कुंवर राकेश देसरला, गौतमराज रतनीबाई मेहता के सहयोग से प्रिंसेस श्राइन सभागार में गत 9 में वर्षो की परम्परा को कायम रखते हुए राजस्थानी परम्परा के अनुसार हल्दी गोठ सह स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष कैलाश संखलेचा एवं मंत्री कमल पुनमिया, कोषाध्यक्ष अमित मेहता, पूर्व अध्यक्ष अनिल संकलेचा, रतनीबाई मेहता, रमेश भंडारी, सुरेश भंडारी, मनोज बाफना, जिनेश मेहता, रमेश दक, प्रवीण पोरवाल, सुरेश धोका, ओम लुनावत, अरविंद खींवसरा, भरत गोटावत, चैनराज सुराणा, रूपचंद कुमट, महेंद्र दांतेवाड़िया, प्रकाश भोजाणी, अमित छजलाणी, रामलाल गन्ना, महेंद्र दांतेवाड़िया, भोपाल सोनवाड़िया, महावीर हुंडिया, सुरेश लखानी, संतोष बागरेचा, मधु तातेड़, बबिता श्रीश्रीमाल आदि ने सभी लाभार्थियों का स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर पुलिस डीजीपी (अपराध शाखा) पी. हरिशेखरन व पुलिस डीसीपी (अपराध शाखा) अब्दुल अहमद सहित बड़ी संख्या में विभिन्न समाज के पदाधिकारी, सदस्य परिवारजन सहित उपस्थित थे। सभी ने हल्दी गोठ का आनंद उठाया तथा व एक दूसरे कोनए वर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन सहमंत्री महावीर मेहता ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

पाली जिला के लांबिया गांव में क्षत्रिय सीरवी समाज विकास सेवा संस्था द्वारा 5 जनवरी को संतश्री गुलारामजी महाराज 57वें वार्षिक मेला एवं सत्संग महोत्सव में मुख्यअतिथि के रुप में शामिल होने के लिए मारुति मेडिकल के प्रमुख व गौभक्त महेंद्र मुणोत को आमंत्रण पत्रिका देकर आंमत्रित किया। लांबिया ग्राम के निवासी मोहनलाल भायल, भूराराम चोयल, नरेंद्र चोयल एवं नारायणलाल लचेटा ने मुख्य अतिथि मुणोत को निमंत्रण पत्र भेंट किया।

भजन कीर्तन कर श्याम भक्तों ने किया नववर्ष का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में नए साल की पूर्व संध्या पर बाबा श्याम के भक्तों ने नववर्ष के आगमन पर शाम को 'नया साल बाबा श्याम के नाम' भजन संध्या का आयोजन किया जिस पर बाबा श्याम का दरबार सजाया गया व फूलों से श्रृंगार किया गया। भजन संध्या में

गायिका स्वाति शर्मा, कोलकाता के रूपेश शर्मा ने बाबा के भजनों की प्रस्तुति दी साथ ही मुंबई के गायक राकेश बावलिया ने बाबा के अनेक मधुर गीतों की प्रस्तुति दी। श्याम सखा परिवार द्वारा आमंत्रित राकेश बावलिया का सम्मान किया गया। भक्तों ने आने वाले नए वर्ष की मंगल कामना करते हुए बाबा की झांकी के दर्शन किए और अखंड ज्योत में आहूतियां दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में शहर के श्याम भक्त उपस्थित थे।

मंड्या में आध्यात्मिक अनुष्ठान एवं नववर्ष वृहद मंगलपाठ का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। शहर के तेरापंथ भवन में मुनिश्री मोहजीतकुमारजी के सान्निध्य में नव वर्ष आध्यात्मिक अनुष्ठान एवं वृहद मंगलपाठ का आयोजन किया गया। मुनिश्री द्वारा सिद्ध स्तवन उच्चारण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने कहा कि जैसे सन् बदलता है वैसे ही कैलेंडर भी बदलता है और पुराने कैलेण्डर को हम रद्दी में डालते हैं वैसे ही हमारे संकल्प जो हमने तोड़े हैं, उन्हें हम रद्दी में डालें और नए संकल्पों का सृजन करें। मुनिश्री ने कहा कि वर्ष 2025 मतलब रजत वर्ष का शुभारंभ हो रहा है इस रजत वर्ष के अवसर पर हम सभी रजत के समान चमकीले बने, श्वेत बने, पवित्र बनने का प्रयास करें और हमारी शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, आध्यात्मिक यह चारों जो शक्तियां हैं,वह रजत के समान पवित्र बनती जाएं। मुनिश्री ने उपस्थित सभी श्रावक समाज को डिजिटल गैजेट्स जैसे टीवी, मोबाइल आदि का उपयोग भोजन करते समय ना करने की प्रेरणा प्रदान की।

मुनिश्री जयेशकुमारजी ने कहा कि आज के इस डिजिटल युग में हर व्यक्ति को कुछ नया चाहिए। भले ही सिस्टम वह के वह हो पर अपग्रेडेशन चाहिए, बाकी हर चीजों का अपग्रेडेशन हो जाता है पर व्यक्ति स्वयं का नहीं करता है। इस मौके पर चिकमगलूरु, मैसूरु,शिव्वमोग्गा, बेंगलूरु आसि से आए श्रावक श्राविकाओं का स्वागत सभा अध्यक्ष सुरेश भंसाली ने किया। मंड्या के तेरापंथ समाज के अनेक श्रावक श्राविकाएं इस आध्यात्मिक अनुष्ठान एवं वृहद मंगल पाठ के कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जय भिक्षु अर्हम जय महाश्रमण

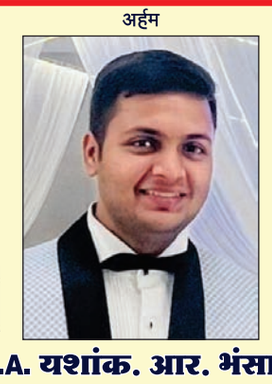

C.A. यशांक. आर. भंसाली

सुपौत्र : सुशीलादेवी-तेजराजजी भंसाली
सुपुत्र : संगीता-राकेश भंसाली
दोहित्र : स्व. श्रीमती शान्तिदेवी स्व.श्री चम्पालालजी बरलोटा

हमारे कुलदीपक यशांकभंसाली ने हमेशा शिक्षा में अग्रणी रहते हुए बड़े ही कठिन परिश्रम से **C.A.** की परीक्षा उत्तम अंकों के साथ उत्तीर्ण कर हम सबको गौरवांन्वित किया है। हम सब उसे शुभाशीष प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हैं।

शुभकामनाओं सहित

चाची-चाचा : किरण-दिलीप भंसाली
बहन : दिशा, जानवी, तन्वी, जियाना
भुआ-भुरोसा : ममता-आनंदजी सोनीगरा, अनिता-विनयजी पीपाड़ा
मासी-मासोसा : मंजूदेवी-भंवरलालजी सेमलानी,पाली

रिषभचन्द, हुक्मीचन्द, तेजराज, श्रवणकुमार, किशोर, विक्रम एवं समस्त भंसाली परिवार मंड्या, बेंगलूरु, सूरत, चन्नगिरी (जोजावर)
कपूरचंदजी, उत्तमचंदजी, महावीरचंदजी, प्रथम एवं समस्त बरलोटा परिवार, (शिवमोग्गा) काराड़ी

Firm : D. CHOGALAL TEJKUMAR
BAZAAR STREET, MANDYA - 521 401
PH : 94480 34448, 98447 35031, 73539 19533

देव,गुरु दर्शन तीर्थ यात्रा संपन्न कर लौटे जेवाईएस के सदस्य परिवार

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन द्वारा पांच दिवसीय तीर्थ यात्रा अहमदनगर स्थित संतश्री आनंदऋषिजी की समाधि स्थल आनंदधाम, आनंद तीर्थ, चिंचोड़ी, शनि सिंगनापुर, संतश्री गणेशलालजी की समाधि स्थल जालना के दर्शन सम्पन्न कर 150 यात्री बेंगलूरु वापस लौटे। इस यात्रा में स्थानकवासी और मंदिरमार्गी परंपराओं के अनुयायियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। नौनिहाल से लेकर 90 वर्ष के वरिष्ठ नागरिक इस यात्रा में शामिल हुए। तीर्थ यात्रा संघ के सभी लाभार्थियों का सम्मान जैन युवा संगठन व सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com